www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

8 मार्च 2026
हरदा, रविवार
वर्ष-15, अंक - 269, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
चैत्र कृष्ण पक्ष - 4
विक्रम संवत् 2082

मप्र में 'क्वींस ऑन द व्हील्स' का आगाज

● 1400 किमी का सफर और 25 जांबाज महिला राइडर्स को सीएम ने दिखाई हरी झंडी

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्यप्रदेश की सड़कों पर अब नारी शक्ति के साहस और रोमांच की गूंज सुनाई देगी। शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'क्वींस ऑन द व्हील्स' के तीसरे महिला बाइकिंग टूर का शुभारंभ किया। महिला दिवस और रंगपंचमी के उल्लास के बीच शुरू हुआ यह सफर न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि देश को यह संदेश भी देगा कि मध्यप्रदेश महिलाओं के लिए पूरी तरह सुरक्षित और सुलभ है।

● **इन प्रमुख पर्यटन स्थलों से गुजरेगा कारवां-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अनुसार, यह यात्रा प्रदेश के पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। राइडर्स का दल प्रदेश के उन चुनिंदा स्थानों से गुजरेगा जो अपनी स्थापत्य कला और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात हैं।

क्या है 'क्वींस ऑन द व्हील्स'?

यह मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य प्रदेश को महिला अनुकूल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। पिछले दो संस्करणों की सफलता के बाद, इस तीसरे टूर का दायरा बढ़ाया गया है। यह पहल 'लोकल फॉर वोकल' और क्षेत्रीय कलाओं जैसे बुंदेलखंडी लोक कला और बघेलखंडी संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करती है।

● **सुरक्षा और संवाद पर जोर-** मुख्यमंत्री ने दल में शामिल राइडर्स को एक्सपर्ट बताते हुए उन्हें सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। साथ ही, जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि इन महिला राइडर्स के ठहरने और भोजन की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में पर्यटन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से भी मुख्यमंत्री ने संवाद किया, जो इस पूरी यात्रा को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रचारित करेंगे।

7 दिन, 1400 किलोमीटर और 25 जांबाज राइडर शामिल है

इस विशेष टूर में महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों की 25 अनुभवी महिला बाइक राइडर्स शामिल हैं। यह दल 7 से 13 मार्च तक मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक और प्राकृतिक सौंदर्य से रूबरू होगा। मुख्यमंत्री ने राइडर्स से संवाद करते हुए कहा कि यह यात्रा मध्यप्रदेश की बेटियों के लिए अद्वितीय और साहसपूर्ण सिद्ध होगी। देश सुरक्षित है और मध्यप्रदेश भी सुरक्षित है। हमारी ये बहनें मध्यप्रदेश में महिला सुरक्षा की गारंटी के रूप में इस टूर पर निकल रही हैं। निमाड़ की सादगी से लेकर चंबल के गौरवशाली इतिहास तक, वे हमारे प्रदेश की विविधता को दुनिया के सामने रखेंगी।

टाइगर और जलीव जीवों को जहरीले पानी का खतरा

● वन बल प्रमुख की चिट्ठी, शाख्यासागर तालाब का पानी शुद्ध करने तेजी से करें काम

अनोखा तीर, भोपाल।

एक ओर राज्य सरकार प्रदेश में वन्य जीवों की सुरक्षा और उनकी आबादी को लेकर गंभीर है, दूसरी ओर अफसरों की लापरवाही के चलते माधव टाइगर रिजर्व में मौजूद टाइगर और अन्य वन्य जीवों का जहरीले पानी से खतरा बना हुआ है। इस मामले में वन विभाग की सख्ती के बाद भी कोई एक्शन नहीं हो पाया है और वन बल प्रमुख ने एक बार फिर वन्य और जलीय जीवों के लिए खतरा बन रहे शाख्यासागर तालाब के शुद्धिकरण के लिए पत्र लिखा है। मध्यप्रदेश के माधव टाइगर रिजर्व के तहत आने वाले शाख्यासागर तालाब (चांदपाठा) में बढ़ते प्रदूषण को लेकर वन विभाग ने

गंभीर चिंता जताई है। इसको लेकर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने अधिकारियों को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि पिछले कुछ सालों से शिवपुरी शहर का प्रदूषित सीवेज पानी बिना उपचार के तालाब में छोड़ा जा रहा है। इसके कारण तालाब में जलकुंभी तेजी से फैल गई है और इससे जलीय जीव-जंतुओं पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

दो साल पहले पाया था गंभीर प्रदूषण

वन विभाग के अनुसार जुलाई 2024 में निरीक्षण के दौरान इस समस्या को गंभीर पाया गया था और नगर पालिका शिवपुरी से प्रदूषण रोकने के लिए संपर्क करने के निर्देश भी दिए गए थे। यह स्थिति न केवल वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 35(6) का उल्लंघन है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 का भी उल्लंघन माना जा रहा है। पूर्व बन बल प्रमुख वीएन अंबाड़े ने रिटायरमेंट के पहले प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव, मुख्य वन्य जीव अभिरक्षक और अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक चीता प्रोजेक्ट से संबद्ध अफसरों को लिखे पत्र में कहा है कि 29 अगस्त 2024 को आयोजित बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा कर प्रदूषण रोकने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए थे, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

● **शाख्यासागर तालाब को 2021 से रामसर साइट का दर्जा प्राप्त**-वन विभाग ने यह भी उल्लेख किया है कि शाख्यासागर तालाब को वर्ष 2021 से रामसर साइट का दर्जा प्राप्त है, इसलिए इसका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह तालाब माधव टाइगर रिजर्व के वन्यजीवों, मगरमच्छों, मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत है। वन बल प्रमुख ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

करंट लगने से मजदूर की मौत

अनोखा तीर, हरदा। हरदा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ग्राम सुखरास में शनिवार सुबह करीब ग्यारह बजे करंट लगने से एक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सुखरास निवासी मुकेश पिता केवलराम खोदरे (45) किसान सुनील पुनासे के खेत पर

मजदूरी करता था। शनिवार सुबह करीब 11 बजे वह खेत के पास बहने वाले नाले में मूंग की फसल के लिए पानी की मोटर लगा रहा था। इसी दौरान उसे करंट लग गया। करंट का झटका लगने से मुकेश पानी में गिर गया। घटना के समय उसका छोटा भाई गोलू भी वहीं मौजूद था, जो बोल पाने में असमर्थ है। गोलू दौड़कर गांव गया और ग्रामीणों को बुलाकर लाया। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, मुकेश की मौत हो चुकी थी। उसे तत्काल एक निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे अमन ने बताया कि वह दो भाई हैं, जिसमें छोटा भाई 14 साल का है। पुलिस ने परिजनों और खेत मालिक के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत

अनोखा तीर, हरदा। शक्रवार शाम करीब 7 बजे उड़ा के रेलवे ओवरब्रिज पर हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। यह हादसा दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर से हुआ। मृतक की पहचान ग्राम बहराखेड़ी निवासी

नत्थूलाल पिता अमरसिंह काजले ठाकुर (48) के रूप में हुई है। वह अपने साथी अनिल पिता मोतीराम कौशल (40) निवासी भायली के साथ हरदा से मजदूरी कर अपने गांव लौट रहे थे। दूसरी बाइक पर ग्राम खेड़ा निवासी हेमंत पिता रामेश्वर यादव और हंडिया निवासी मोहित शर्मा सवार थे। सिटी कोतवाली थाना टीआई रोशनलाल भारती ने बताया कि रॉन्ग साइड से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। इस भिड़ंत में चारों लोग घायल हो गए।

इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड परियोजना किसान और सरकार के बीच विश्वास की बनेगी मिसालः सीएम

3 हजार करोड़ की लागत के बनेगा मार्ग

अनोखा तीर, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड के किसानों के हित में जमीनी स्तर पर मार्ग निर्माण को स्वीकृति और उचित मुआवजे की व्यवस्था किए जाने पर इंदौर जिले के सांवेर क्षेत्र के निवासियों ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पगड़ी और बड़ी माला पहनाकर उनका अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे सभी लोगों को होली और रंगपचमी की बधाई दी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 3 हजार करोड़ रुपए की लागत से इंदौर और उज्जैन के बीच बनने वाली सड़क से इंदौर और उज्जैन का सफर सवा घंटे की जगह आधे घंटे का रह जायेगा। दोनों शहरों के बीच तेज कनेक्टिविटी से क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। स्थानीय स्तर पर उद्योग, लॉजिस्टिक पार्क, किसानों को मण्डियों तक पहुंच और व्यापारियों तथा उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह मार्ग, देश के व्यापार व्यवसाय के लिए भी महत्वपूर्ण है। देश के प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्रो के बीच इस मार्ग से यात्रा सुगम और कम समय में होगी। परिणामस्वरूप आवागमन बढ़ेगा और देश में इंदौर-उज्जैन क्षेत्र का महत्व और अधिक बढ़ेगा।

इंदौर-उज्जैन क्षेत्र में विकास के नए युग का होगा सूत्रपात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पारम्परिक और ऐतिहासिक रूप से इंदौर और उज्जैन के बीच इस मार्ग का ही उचित उपयोग होता था। इस मार्ग से इंदौर के 20 और उज्जैन के 6 गांव लाभान्वित होंगे। सिंहस्थ के लिए भी यह मार्ग सुविधाजनक और उपयोगी होगा। इंदौर-उज्जैन क्षेत्र में विकास की दृष्टि से नए युग का सूत्रपात हो रहा है। राज्य सरकार के लिए किसान हित सर्वोपरि है।

खरगोन में 20 फीट गहरी पुलिया से गिरी गर्भवती महिला, कुछ ही देर बाद गूंजी किलकारी

अनोखा तीर, खरगोन।

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के भगवानपुरा क्षेत्र के सिरवेल गांव के पास शुक्रवार को हुए एक सड़क हादसे में पुलिया से करीब 20 फीट नीचे गिरी गर्भवती महिला को राहगीरों ने बचाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। समय पर मिली मदद से महिला और नवजात दोनों सुरक्षित हैं।

अज्ञात बाइक सवार ने मारी थी टक्कर

जानकारी के अनुसार मोहराडी निवासी हीरालाल अपनी गर्भवती पत्नी और भाभी को मोटरसाइकिल से सिरवेल अस्पताल लेकर जा रहा था। शुक्रवार शाम करीब 5 बजे सिरवेल में झूले के पास बनी पुलिया पर सामने से आ रही एक अज्ञात मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सवार बाइक सहित पुलिया से नीचे जा गिरे।

मौत को मात देकर आई नन्हीं परी

ग्रामीणों की सहायता से पहुंचाया अस्पताल- हादसे में मोटरसाइकिल पुलिया के नीचे चट्टानों पर जा गिरी, जबकि तीनों लोग पानी भरे गड्ढे में गिर पड़े। घटनास्थल पर चारों ओर पत्थर और नुकीली चट्टानें होने के बावजूद तीनों की जान बच गई और उन्हें गंभीर चोट भी नहीं आई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे सिरवेल निवासी समाजसेवी विक्रम ठाकुर और रमेश सोलंकी ने हादसे को देखा और तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों की मदद की। उन्होंने ग्रामीणों की सहायता से गर्भवती महिला को पुलिया के नीचे से ऊपर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद उमरिया पंचायत सचिव प्रवीण जायसवाल को मोबाइल पर घटना की जानकारी दी गई।

अस्पताल में दिया बच्ची को जन्म

सूचना मिलते ही प्रवीण जायसवाल ग्रामीण बाठिया कनासे के साथ चारपहिया वाहन से मौके पर पहुंचे। सभी की मदद से घायल दंपती और उनकी भाभी को सिरवेल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में भर्ती कराने के कुछ ही समय बाद गर्भवती महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। प्राथमिक उपचार के बाद मां और नवजात को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां दोनों का उपचार जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर मिली मदद से महिला और उसके बच्चे की जान बच सकी।

प्रदेश में तेज गर्मी, मार्च-अप्रैल में हीटवेव की आशंका

● प्रदेश के अधिकांश हिस्सों का होगा बुरा हाल,आ गई रिपोर्ट

अनोखा तीर, भोपाल।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत और उससे लगे मध्य भारत में अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। अगले कुछ दिनों में स्क्कके कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है, जिससे दिन के समय गर्मी बढ़ने लगेगी।

पिछले दिनों भी मध्यप्रदेश सहित मध्य भारत के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि इस वर्ष गर्मी का मौसम अपेक्षाकृत जल्दी सक्रिय हो सकता है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश में इस वर्ष शीतकालीन वर्षा सामान्य से काफी कम रही है। मध्य भारत क्षेत्र में भी वर्षा सामान्य से काफी कम दर्ज की गई है। वर्षा की कमी के कारण भूमि में नमी घटने लगती है, जिससे तापमान बढ़ने की प्रवृत्ति तेज हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार प्रदेश के मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड और ग्वालियर-चंबल क्षेत्रों में मार्च के दूसरे पखवाड़े में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है।

इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, खंडवा, खरगोन और बुरहानपुर जैसे जिलों में दिन का तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

हीटवेव की संभावना ज्यादा बढ़ गई- यदि मार्च के अंत तक शुष्क मौसम बना रहता है और पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता कम रहती है, तो अप्रैल में प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू (हीटवेव) की स्थिति बनने की संभावना भी जताई जा रही है। विशेष रूप से मालवा-निमाड़ और बुंदेलखंड क्षेत्र में लू का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है।

● **पूर्वी मध्यप्रदेश में बादल और गरज-चमक-** रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडोरी और मंडला सहित आसपास के जिलों में आंशिक से मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है। दोपहर या शाम के समय कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी अथवा गर्जन-तड़ित की स्थिति बन सकती है। इस क्षेत्र में अधिकतम तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों में बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा या गरज-चमक की संभावना है, जिससे तापमान सामान्य या सामान्य से थोड़ा कम रह सकता है।

मालवा और ग्वालियर-चंबल में बढ़ेगी गर्मी

इंदौर, उज्जैन, देवास, रतलाम, मंदसौर, नीमच, धार, शाजापुर और आगर-मालवा सहित ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, गुना और शिवपुरी जिलों में मौसम साफ से आंशिक बादल वाला रहेगा। यहां वर्षा की संभावना बहुत कम है और दिन के तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि होकर 33 से 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। खरगोन, खंडवा, बड़वानी और बुरहानपुर जिलों में मौसम शुष्क रहेगा तथा तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार 9 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है, जिसके कारण उत्तर भारत में मौसम में बदलाव संभव है। इसका हल्का प्रभाव मध्यप्रदेश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में बादलों की बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिल सकता है।

जलसा-ए-शहादत में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

● मौलाना ने ट्रंप पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, पोस्टरों को पैरों से कुचला

अनोखा तीर, भोपाल। भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र की बिस्मिल्लाह कॉलोनी स्थित मस्जिद गरीब नवाज में ईरान के सुप्रीम लीडर रहबर-ए-मोअज्जम आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई की याद में जलसा-ए-शहादत

कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पोस्टर जमीन पर रखकर पैरों से कुचल दिए। सभा के दौरान इजराइल मुर्दाबाद और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे भी लगाए गए। बता दें कि ऐशबाग स्थित गरीब नवाज मस्जिद में यह कार्यक्रम शुक्रवार देर रात आयोजित किया गया था। मौलाना रजी-उल-हसन हैदरी ने कहा, आज दुनिया में जालिम ताकतें मजलूमों का खून बहा रही हैं। चाहे इजराइल हो या अमेरिका, उनके हाथ मजलूमों और मासूमों के खून से रंगे हुए हैं। अल्लाह उन्हें गैरत दे।

सार-समाचार

सड़क दुर्घटना घायलों को कैशलेस उपचार योजना का लाभ दिलाने की मांग

● पंजीकृत अस्पतालों के नाम सार्वजनिक करने की अपील : जैसानी

अनोखा तीर, हरदा। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को कम करने और घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई कैशलेस उपचार योजना को हरदा जिले में प्रभावी रूप से लागू करने की मांग उठाई गई है। सामाजिक संस्था जमना जैसानी फाउंडेशन ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से इस योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ-साथ हरदा जिले के उन अस्पतालों के नाम सार्वजनिक करने की मांग की है, जहां दुर्घटना पीड़ितों का नि :शुल्क इलाज किया जाएगा। फाउंडेशन के सदस्य शांति कुमार जैसानी ने बताया कि

सड़क दुर्घटनाओं के कई मामलों में घायल व्यक्ति को इलाज के खर्च की चिंता के कारण समय पर उपचार नहीं मिल पाता। इसी समस्या को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने 13 फरवरी से सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना शुरू की है। इस योजना के तहत सड़क हादसे में घायल किसी भी व्यक्ति को आयुष्मान योजना से संबद्ध (पंजीकृत) अस्पतालों में 1.5 लाख रुपये तक का नि :शुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिनों तक उपचार की सुविधा दी जाएगी और इलाज का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। अस्पताल इसके लिए ऑनलाइन क्लेम कर सकेंगे। जमना जैसानी फाउंडेशन ने जिला प्रशासन से मांग की है कि हरदा जिले में आयुष्मान योजना से जुड़े सभी अस्पतालों की सूची सार्वजनिक की जाए, ताकि दुर्घटना के समय लोगों को यह जानकारी रहे कि किस अस्पताल में घायलों का मुफ्त इलाज कराया जा सकता है। फाउंडेशन का कहना है कि इस योजना की जानकारी और अस्पतालों की सूची सार्वजनिक होने से दुर्घटना पीड़ितों को तुरंत उपचार मिल सकेगा और कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इस योजना की निगरानी स्वास्थ्य विभाग और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी।

अस्सी के दशक में विनय सेंगर ने छात्र राजनीति को दी थी नई दिशा

● सेंगर की स्मृति में हुई संभागीय भारोत्तलन प्रतियोगिता

अनोखा तीर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष स्व विनय सिंह सेंगर की स्मृति में आज मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय में भोपाल संभाग स्तरीय भारोत्तलन प्रतियोगिता संपन्न हुई। एमवीएम एलुमिनी और भोपाल जिला वेट लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न कैटेगरी में लगभग 60 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व मंत्री रामपाल सिंह एवं पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने वेट लिफ्टिंग कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने स्व. विनय सिंह सेंगर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित भी किया। खिलाड़ियों और पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह ने कहा कि स्व. सेंगर का व्यक्तित्व सौम्य एवं शालीन था। 80 के दशक में उन्होंने छात्र राजनीति को एक नई दिशा दी थी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी दोस्ती को आज भी मिसाल के रूप में याद किया जाता है। श्री सेंगर में अद्भुत क्षमता, साहस और ऊर्जा थी। अस्सी के दशक में उन्होंने तत्कालीन भोपाल को भय और आतंक के खौफ से भी मुक्त

करवाया था। उस दौर में साधन और सुविधा के अभाव में छात्रसंघ चुनाव लड़ना काफी कठिन होता था। ऐसे में विनय सेंगर ने सबकी मदद की थी। भोपाल विश्वविद्यालय परिसर में भी आए दिन गोलियां, चाकू छुरी, तलवारें चला करती थी, जिसको स्व सेंगर ने मुक्त करवाया था। श्री रामपाल सिंह ने कहा कि स्वर्गीय विनय सिंह सेंगर की स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता से खिलाड़ियों को प्रेरणा के साथ-साथ आगे आने का मौका भी मिलेगा। पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने स्व.श्री विनय सिंह सेंगर का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने सदैव छात्रों को एकजुट बनाये रखा। स्व. सेंगर अपने दम पर तत्कालीन छात्र नेताओं को राजनीति में लेकर आए थे जो आज ऊंचे मुकाम पर हैं। उनके नेतृत्व में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमीदिया कॉलेज से कभी चुनाव नहीं हारी। बाद के दौर में न्यू मार्केट स्थित समता चौक उनकी गतिविधियों का मुख्य केंद्र था। जहां से वे प्रदेश स्तरीय राजनीति का संचालन करते थे। यह वह स्थान है जहां से उनके संपर्क में आए अनेक लोग पंच से लेकर मुख्यमंत्री तक बने हैं। श्री जोशी ने समता चौक पर विनय सिंह सेंगर की प्रतिमा लगवाए जाने का सुझाव भी दिया। कार्यक्रम को एमवीएम एलुमिनी के अध्यक्ष सतीश रायजादा, आयोजन समिति के अध्यक्ष सुभाष व्यास, प्रशांत सिंह सेंगर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर एमवीएम एलुमिनी के सदस्य सर्वश्री कुलदीप सिंह गिल, ब्रजेन्द्र तिवारी, रविन्द्र कौल, विनोद पाराशर, मोहन चतुर्वेदी, प्रलय श्रीवास्तव, दिग्विजय सिंह दिग्गू, अशोक चतुर्वेदी, हरीसिंग गुर्जर, रवि सेठी, महेंद्र सिंह बुंदेला, अखिलेश श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, सुकान्त जैन, अभिषेक द्विवेदी, राजीव दिवाकर, वसीम खान सहित अनेक पूर्व छात्र, छात्रा मौजूद थे। अंत में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं शुभकामनाएँ भी दी।

आईटीआई में रोजगार मेला 'युवा संगम' 12 मार्च को

अनोखा तीर, हरदा। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शासकीय आईटीआई हरदा में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले 'युवा संगम' का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि यह मेला 12 मार्च को प्रात : 11 बजे से आयोजित होगा। मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में बेरोजगार युवक युवतियों की भर्ती की जाएगी। इस रोजगार मेले में 5 वी, 8वी, 10वी, 12वी, आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक व स्नातकोत्तर उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक की आयु के युवा भाग ले सकते है। जिला रोजगार अधिकारी श्री सिलोटे ने बताया कि मेले में भाग लेने के इच्छुक युवा अपने सभी मूल दस्तावेज अंकसूची, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड व परिचय पत्र की फोटोकॉपी, समग्र आईडी तथा 4 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ उपस्थित होकर मेले का लाभ प्राप्त कर सकते है।

फिट इंडिया वूमेन वीक

कार्यशाला व गतिविधियों का आयोजन

अनोखा तीर, हरदा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर फिट इंडिया वूमेन वीक 2026 के अंतर्गत जनपद सभागृह वन स्टॉप सेंटर हरदा में महिलाओं के स्वास्थ्य, फिटनेस एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा दैनिक जीवन में व्यायाम, योग एवं खेलकूद को शामिल करने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान जिला चिकित्सालय की परामर्शदाता श्रीमती संगीता सोलंकी ने महिलाओं को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्हें बताया कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने तथा समाज में अन्य महिलाओं को भी फिटनेस के प्रति प्रेरित करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर फिट इंडिया अभियान के उद्देश्य एवं महिलाओं की भागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के तहत महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं में आपसी सहयोग, उत्साह एवं आत्मविश्वास का वातावरण देखने को मिला। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें भविष्य में भी स्वास्थ्य एवं फिटनेस से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी राजा रंगारे ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार एवं स्वस्थ समाज की आधारशिला होती है इसलिए महिलाओं को अपने दैनिक जीवन में फिटनेस को प्राथमिकता देनी चाहिए तथा अन्य महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग श्री रंगारे, जन अभियान परिषद के सदस्य, प्रभारी प्रशासक वन स्टॉप सेंटर हरदा, परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर कार्यकर्ता सहायिका तथा छात्र-छात्रा उपस्थित रहे।

मां की स्मृति में पुत्रों ने दान दी राशि

अनोखा तीर, सोडलपुर। ग्राम के मालीपुर में रहने वाले जगदीश, मोहन और सुरेश भाटी की मां का गत दिनों निधन हो गया था। शनिवार को स्व.श्रीमती लीला बाई भाटी की तेरहवीं के अवसर पर उनके पुत्रों द्वारा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिए सहयोग राशि प्रदान की गई। भाटी परिवार ने माली समाज के रामजानकी मंदिर के नव निर्माण के लिए 11 हजार रुपये, नेमावर माली समाज धर्मशाला के लिए 2100 रुपये, गुरु कान्हा बाबा मंदिर के लिए 1100 रुपये तथा बाबा रामदेव जी मंदिर के लिए 1100 रुपये की राशि अपनी माता की स्मृति में दान दी। इस दौरान ओमप्रकाश सोलंकी, नन्हेंलाल भाटी, रामचंद्र कछवाह, जमुना दास टांक, नारायण सांखला, सुभाष पटेल, संतोष पटेल सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाटी परिवार के सदस्य सहित समाज के कई लोग उपस्थित रहे। समाजजनों ने भाटी परिवार के इस सेवा भाव की सराहना की।

पिता स्मृति में मंदिर निर्माण के लिए दिए 1.07 लाख रुपए

अनोखा तीर, सोडलपुर। ग्राम के मालीपुर में रहने वाले स्व.रेवाराम सोलंकी की स्मृति में उनके परिवारजनों ने रामजानकी मंदिर माली समाज के नवनिर्माण के लिए कुल 1 लाख 7 हजार रुपए की राशि दान स्वरूप प्रदान की। स्व.रेवाराम सोलंकी के पुत्र श्रवण, राकेश सोलंकी और अनुज सोलंकी ने उनकी स्मृति में 31 हजार रुपए की राशि मंदिर निर्माण के लिए भेंट की। वहीं उनके भाइयों ने भी श्रद्धांजलि स्वरूप सहयोग देते हुए दान राशि दी। इसमें तुलाराम सोलंकी ने 25 हजार रुपए, धनराज सोलंकी ने 21 हजार रुपए, रामदास सोलंकी (रामूजी) ने 21 हजार रुपए तथा संतोष सोलंकी ने 21 हजार रुपए की राशि मंदिर निर्माण के लिए प्रदान की। इस अवसर पर ओमप्रकाश सोलंकी, सुभाष पटेल, नन्हेंलाल भाटी सहित समाज के कई वरिष्ठजन उपस्थित रहे। सभी ने परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज और धर्म के प्रति प्रेरणादायक बताया।

जनस्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं

पीएसीएस को औषधि लाइसेंस देने के प्रस्ताव पर एआईओसीडी का कड़ा विरोध

अनोखा तीर, हरदा।

ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने प्राथमिक कृषि साख समितियों को फॉर्म 20 एवं 21 के अंतर्गत प्रतिबंधित औषधि लाइसेंस प्रदान करने के प्रस्ताव का तीव्र और स्पष्ट विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने इसे जनस्वास्थ्य, रोगी सुरक्षा तथा राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया है। एआईओसीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएस शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने कहा कि दवाएं जीवनरक्षक उत्पाद हैं और इन्हें कृषि रसायनों के समान नहीं माना जा सकता। उनका कहना है कि औषधि वितरण केवल प्रशिक्षित और पंजीकृत फार्मासिस्ट की निगरानी में ही होना चाहिए। किसी भी प्रकार की शिथिलता जनस्वास्थ्य के साथ जोखिमपूर्ण प्रयोग साबित हो सकती है। संगठन के अनुसार ड्रग एंड कॉस्मेटिक रूल 1945 के नियम 62 एवं 62 ऐतिहासिक रूप से केवल अपवादस्वरूप परिस्थितियों के लिए बनाए गए थे। वर्तमान में देश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में लाइसेंसधारी मेडिकल स्टोर्स और पंजीकृत फार्मासिस्ट उपलब्ध हैं।

ऐसे में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित लाइसेंस जारी करना न तो आवश्यक है और न ही औचित्यपूर्ण है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेएस शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने बताया कि संस्थाएं मुख्यतः उर्वरक, कीटनाशक एवं कृषि रसायनों का व्यापार करती हैं। ऐसे परिसरों में दवाओं का भंडारण क्रॉस-कंटैमिनेशन और अनुचित स्टोरेज का गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है, जो सीधे तौर पर रोगी सुरक्षा से जुड़ा विषय है। संगठन ने यह भी आगाह किया कि गैर-फार्मासिस्ट द्वारा दवा वितरण से एंटीबायोटिक के दुरुपयोग, दवा-त्रुटियों तथा एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी राष्ट्रीय चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। एआईओसीडी ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से आग्रह किया है कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार किया जाए तथा ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 की मूल भावना और उद्देश्यों की रक्षा सुनिश्चित की जाए।

यह रही प्रमुख मांगें

पीएसीएस को प्रतिबंधित औषधि लाइसेंस देने के प्रस्ताव को तत्काल निरस्त किया जाए।

- नियम 62-ए एवं 62-बी के अंतर्गत राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को कोई सामान्य परामर्श जारी न किया जाए।
- प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र केवल लाइसेंस प्राप्त फार्मेसी परिसर में और पंजीकृत फार्मासिस्ट की निगरानी में संचालित हों।
- एआईओसीडी ने स्पष्ट किया है कि संगठन देश के 12.40 लाख से अधिक औषधि विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करता है, जो देश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक सुरक्षित और विधिसम्मत औषधि सेवा प्रदान कर रहे हैं।

12 साल की कपूरी ने सूझबूझ से हिंसक वन्यप्राणियों से ग्रामीणों की बचाई जान

राज्यपाल ने किया सम्मानित

अनोखा तीर, तामिया/छिंदवाड़ा)।

तामिया तहसील के कुआखुट्टी ग्राम की 12 वर्षीय बालिका कपूरी भारती ने असाधारण साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए संभावित खतरे से ग्रामीणों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इस साहसिक कार्य के लिए मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने उन्हें सम्मानित कर सराहना की। कक्षा 7वीं की छात्रा कपूरी भारती शासकीय माध्यमिक शाला कुआबादला में अध्ययनरत है। 20 जनवरी को वह रोज की तरह जंगल के रास्ते लगभग 4 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जा रही थी। इसी दौरान उसने करीब

35 मीटर की दूरी पर पांच तेंदुओं का झुंड देखा। एक साथ इतने हिंसक वन्यप्राणियों को देखकर भी कपूरी ने घबराने के बजाय शांतचित्त रहते हुए तुरंत स्कूल पहुंचकर प्रधानपाठक कोमल प्रसाद कोरी को इसकी जानकारी दी। प्रधानपाठक के माध्यम से वन विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद तामिया वन परिक्षेत्र अधिकारी हिमांशु विश्वकर्मा के निर्देश पर वन अमला मौके पर पहुंचा। जांच के दौरान जंगल में एक गाय का शिकार होने की घटना सामने आई। इसके बाद वन विभाग ने एहतियात के तौर पर ग्रामीणों को सतर्क रहने और जंगल की ओर न जाने की चेतावनी जारी की। कपूरी की सतर्कता और त्वरित सूचना के कारण एक संभावित बड़ा खतरा टल गया। कपूरी के इस साहसिक कार्य की सराहना करते हुए वन विभाग ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर तामिया वन परिक्षेत्र कार्यालय में उसे बाल वन प्रहरी के रूप में सम्मानित किया था। वन परिक्षेत्र अधिकारी हिमांशु विश्वकर्मा ने प्रशस्ति पत्र और अनुभूति कैप प्रदान कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बाद में 28 जनवरी को आयोजित एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भी कपूरी भारती को सम्मानित कर उसके साहस की सराहना की। इस अवसर पर राज्य भारिया प्राधिकरण के अध्यक्ष दिनेश कुमार अंगारिया, शेषराव यादव, पूर्व अध्यक्ष उर्मिला भारती, जनपद अध्यक्ष तुलसा परतेती, सरपंच कुंवर लाल पचलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर हरेंद्र नारायण, पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार, डीएफओ साहिल गर्ग, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सत्येंद्र सिंह मरकाम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कपूरी भारती के इस साहसिक कार्य को ग्रामीणों और अधिकारियों ने भी सराहा है। उसकी बहादुरी अब क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

बघवाड़ में घेराबाजी प्रतियोगिता का आयोजन, क्षेत्रीय मंडलों ने लिया हिस्सा

अनोखा तीर, टिमरनी। बघवाड़ में आयोजित घेराबाजी प्रतियोगिता लगभग 30 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है, जिसमें क्षेत्र के आसपास के सभी मंडल प्रतिवर्ष हिस्सा लेने आते हैं। आयोजन समिति के नर्मदा प्रसाद चोरे ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र की परंपराओं को जीवित रखने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष किया जाता है। इसमें गांव के सभी लोगों का सहयोग सराहनीय रहता है। कार्यक्रम में पार्षद सुनील दुबे, अंकित जोशी, दीपक घाब, सचिव सुरेश यादवरी, गोपाल पगारे, हरिओम गौर और पीयूष पाल ने उपस्थित होकर सभी मंडलों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कोमल रामकृष्ण ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

उर्स-ए-मौला अली

मुफ्ती सनाबिल रज़ा खान हशमती की आमद

अनोखा तीर, हरदा। जिले के मगरधा रोड स्थित राठी पेट्रोल पंप के पीछे आगामी 10 मार्च मंगलवार को शेर-ए-खुदा मौला अली की याद में 'जश्न-ए-मौला अली मुश्किल कुशा' बड़े ही धूमधाम और अकीदत के साथ मनाया जाएगा। इस रूहानी महफिल में मुख्य अतिथि के रूप में मजहर-ए-आला हजरत के पोते, शेर-ए-अहले सुन्नत, मशहूर सूफी स्कॉलर और रिसर्चर अल्लामा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद सनाबिल रज़ा खान हशमती साहब किबला (पीलीभीत शरीफ) तशरीफ लाएंगे। उनकी आमद को लेकर अकीदतमंदों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार उर्स में आने वाले तमाम जायरीनों और मेहमानों के लिए मुकम्मल इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर रुकने की व्यवस्था के साथ-साथ शानदार इफ्तार और सेहरी का भी प्रबंध किया गया है। समिति ने बताया कि हरदा (मध्यप्रदेश) से बाहर से आने वाले जायरीनों और अकीदतमंदों के लिए ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि दूर-दराज से आने वाले मेहमानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रबंधकों ने तमाम अहले सुन्नत और अकीदतमंदों से अपील की है कि इस ऐतिहासिक जलसे में बड़ी तादाद में शिरकत करें और मौला अली मुश्किल कुशा के फैजान-ओ-करम से अपने ईमान और अकीदे को मुनव्वर करें।

ग्राम पंचायत हंडिया में सफाई व्यवस्था बदहाल

-नालियों का गंदा पानी खोल रहा व्यवस्थाओं की पोल

अनोखा तीर, हंडिया।

स्वच्छता अभियान को लेकर केंद्र और राज्य सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर स्वच्छता का संदेश दे रही हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर लापरवाही के कारण योजनाओं का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है। धार्मिक नगरी हंडिया में पिछले कई महीनों से साफ-सफाई व्यवस्था की स्थिति खराब बनी हुई है और ग्राम पंचायत द्वारा इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लाखों रुपये की लागत से बनाए गए साप्ताहिक हाट बाजार के आसपास नालियों का गंदा पानी बह रहा है, जिससे उठने वाली दुर्गंध के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध के कारण साफ-सफाई व्यवस्था के हालात बेहद खराब नजर आ रहे हैं। गुरुवार को साप्ताहिक बाजार के दौरान व्यापारियों को उफनती नालियों के बीच बैठकर दुर्गंध और संकरी जगह में ही अपना व्यापार करना पड़ता है। दुकानदारों ने कई बार साफ-सफाई की समस्या को लेकर जिम्मेदारों को अवगत कराया, लेकिन अब तक इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। व्यापारियों का कहना है कि गुरुवार को हाट बाजार के दिन कुछ पशुपालक अपने मवेशियों को खुला छोड़ देते हैं, जिससे बाजार

में आने वाले व्यापारियों और ग्राहकों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ती है। हंडिया तहसील क्षेत्र के कई वार्डों में नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे आवागमन करने वाले लोगों को कठिनाई हो रही है। वहीं खुले में घूमते सुअरों की संख्या भी बढ़ती जा रही है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आम रास्तों पर खड़े वाहन भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में प्रशासन को कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने सफाई व्यवस्था सुधारने और नालियों की नियमित सफाई कराने की मांग की है।

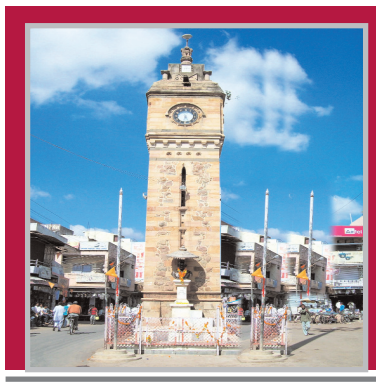

हरदा नगर

हरदा, रविवार 8 मार्च 2026

24 घंटे में अपहृत बालिका को किया दस्तयाब, परिजनों के खिले चेहरे

अनोखा तीर, हरदा। पुलिस अधीक्षक हरदा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरदा एवं एसडीओपी हरदा के निर्देशन तथा थाना प्रभारी कोतवाली हरदा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली के अपराध क्र. 156/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपहृत बालिका निवासी निकुंज रॉयल सिटी कॉलोनी, हरदा की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत बालिका को रेलवे स्टेशन हरदा क्षेत्र से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बालिका को 6 मार्च को 24 घंटे के भीतर थाना कोतवाली हरदा में विधिवत दस्तयाब किया गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करने के बाद अपहृत बालिका को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया, जिससे परिजनों के चेहरे खिल उठे। उक्त प्रकरण में अपहृत बालिका की दस्तयाबी में सउनि सुरेन्द्र श्रीवास्तव, प्रआर. नीलेश तिवारी, आर. यशवंत जौठे, महिला आरक्षक मीना यदुवंशी, वैषाली पर्ते तथा आरक्षक कमलेश परिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सार-समाचार

जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध, होगी एफआईआर

अनोखा तीर, हरदा। हरदा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सिद्धार्थ जैन ने जिले में नरवाई/पराली जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया गया है, जो आगामी तीन माह तक जिले की सीमा में प्रभावी रहेगा। जारी आदेश में बताया गया है कि रबी फसल की कटाई के बाद गेहूं, चना, सरसों और मक्का के अवशेष जलाने से हानिकारक गैसें और धुआं उत्पन्न होता है। इससे मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और कृषि भूमि की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, साथ ही मिट्टी के सूक्ष्म जीवाणु भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उत्पादक

क्षमता प्रभावित होती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत नरवाई जलाना पहले से ही प्रतिबंधित है। जिले में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं और कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण विभाग के प्रावधानों के अनुसार अर्थदंड भी लगाया जाएगा, जिसकी वसूली भू-राजस्व की तरह की जाएगी। कलेक्टर ने आदेश के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी शासकीय कार्यालयों, ग्राम पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी कराने के निर्देश दिए हैं। संबंधित विभागों और पुलिस प्रशासन को भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर हुए कार्यक्रम

अनोखा तीर, हरदा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय हरदा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अंतर्गत 28 फरवरी से 10 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में महाविद्यालय के विज्ञान विभाग एवं भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ विशेष सहभागिता निभा रहे हैं। प्राचार्य डॉ. संगीता बिले ने बताया कि 28 फरवरी को भोपाल के विज्ञान भवन में प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव द्वारा वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया,

जिसका सीधा प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. देवेंद्र रोडगे ने बताया कि महाविद्यालय में 6 मार्च से 10 मार्च 26 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। 6 मार्च को रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता, 7 मार्च को निबंध तथा वर्किंग और नॉन वर्किंग मॉडल का प्रस्तुतीकरण, 9 मार्च को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा 10 मार्च को एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश के विभिन्न संस्थानों से वैज्ञानिक और शिक्षाविद उपस्थित होकर विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 की थीम वीमेन इन साइंस कैटेलाइजिंग विकसित भारत रखी गई है। शुक्रवार को महाविद्यालय में रंगोली एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. देवेंद्र रोडगे, रीना मालवीय, अजय बिलारे, आयुषी सिसोदिया, भावना अग्रवाल, डॉ. शिवानी बर्मन, मनीषा चौहान, डॉ. आशा गायकवाड़, डॉ. प्रियंका राय एवं सुमित शर्मा सहित महाविद्यालय का स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु एचपीवी वैक्सीनेशन की दी जानकारी

अनोखा तीर, हरदा। नगर के महर्षि ज्ञानपीठ हायर सेकेंडरी स्कूल हरदा में छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान के अंतर्गत एक विशेष जानकारी सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा छात्राओं को इस गंभीर बीमारी तथा उससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित श्रीमती पारूल काशिव एवं आशीष साकल्ले ने छात्राओं को बताया कि एचपीवी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण ही सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में उपलब्ध एचपीवी वैक्सीन की एक सिंगल डोज अत्यंत सुरक्षित और प्रभावी मानी जाती है, जो भविष्य में होने

वाले इस कैंसर से महिलाओं को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से में होने वाला कैंसर है, जो महिलाओं में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। यदि समय पर टीकाकरण और जागरूकता हो तो इस बीमारी से काफी हद तक बचाव संभव है। इसलिए सरकार द्वारा किशोरियों के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित जांच कराने तथा टीकाकरण के महत्व के बारे में भी समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से उन छात्राओं को यह जानकारी दी गई जिनकी आयु 14 वर्ष पूर्ण हो चुकी है और 15 वर्ष से कम है, ताकि वे समय पर वैक्सीन लगवाकर इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संचालक दीपक सिंह राजपूत एवं प्राचार्य कामना राजपूत भी उपस्थित रही। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। स्कूल प्रबंधन ने भी छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को गंभीरता से लेने और आवश्यक टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित किया।

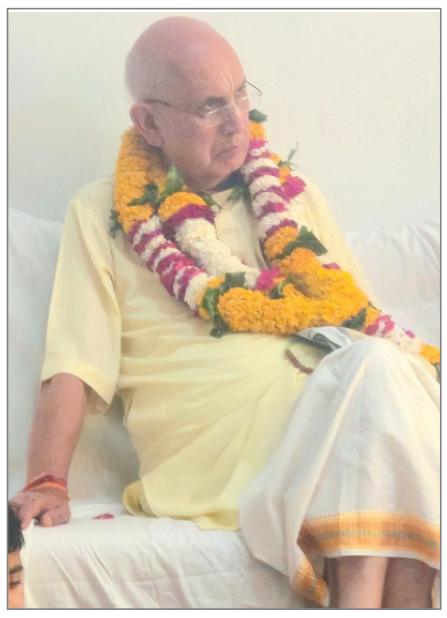

अनोखा तीर, हरदा।

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) हरदा द्वारा शनिवार को इंदौर रोड स्थित गोपीकृष्ण गार्डन में भव्य फूलों की होली महोत्सव का आयोजन किया गया। शाम 5 बजे से प्रारंभ हुआ यह आयोजन रात 11 बजे तक भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं, युवा और बच्चों ने भाग लेकर भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के साथ होली का आनंद लिया। महोत्सव परम पूज्य महामन महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ, जो अभयचरणारविंद भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के वरिष्ठ शिष्य, दीक्षा गुरु तथा इस्कॉन

इस्कॉन हरदा में भक्ति और उल्लास के साथ खेली फूलों से होली

श्रद्धालुओं ने लिया दिव्य आनंद

मध्यप्रदेश के प्रमुख हैं। उनके आगमन से कार्यक्रम का आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने प्रवचन में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, प्रेम और सेवा के महत्व को बताते हुए कहा कि सच्ची होली वही है जिसमें मनुष्य अपने भीतर के अहंकार, इर्ष्या और द्वेष को त्याग कर प्रेम और भक्ति के रंग में रंग जाए। कार्यक्रम के दौरान भव्य हरिनाम संकीर्तन और मधुर भजनों की प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु ढोल-मंजीरे की धुन पर भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन करते हुए झूम उठे।

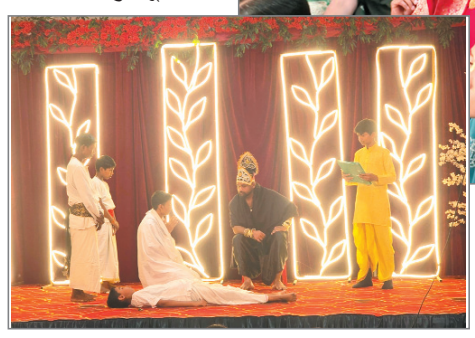

इसके बाद आयोजित फूलों की होली में भक्तों ने एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा करते हुए भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के जयकारों के साथ उत्सव का आनंद लिया। रंगों की जगह फूलों से खेली गई इस होली ने पूरे परिसर को सुगंध और आनंद से भर दिया। महोत्सव में बच्चों और युवाओं द्वारा नृत्य एवं नाटिका की सुंदर प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिनमें श्रीकृष्ण की लीलाओं का मनमोहक चित्रण किया गया। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसे भक्तों ने श्रद्धा के साथ ग्रहण किया। संस्था से जुड़ी नम्रता मोराने ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन का उद्देश्य होली के पावन पर्व को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति के साथ मनाते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संदेश फैलाना है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष इस उत्सव को भव्य रूप में आयोजित किया जाता है और श्रद्धालुओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिलती है। फूलों की वर्षा, भक्ति संगीत और कृष्ण नाम संकीर्तन के बीच आयोजित इस महोत्सव ने हरदा शहर में आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना दिया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसे एक अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए इस्कॉन परिवार को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस..

सामाजिक कार्यकर्ताओं का शाल-श्रीफल देकर किया सम्मान

• विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

अनोखा तीर, हरदा। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष अरविंद रघुवंशी के निर्देशन तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर राठौर और जिला विधिक सहायता अधिकारी सौरभ कुमार दुबे के मार्गदर्शन में शहर वार्ड 16 चंदर सराफ की वाड़ी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को महिला अधिकारों के सम्मान, लैंगिक समानता, सामाजिक सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्तीय समावेश, महिला-नेतृत्व वाली नीतियां, स्व-सहायता समूह तथा कौशल विकास से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना

2015 तथा नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं/सर्वाइवर महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना 2018 के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। उपस्थितजनों को यह भी बताया गया कि वे किस प्रकार विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थानों में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से, नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर या 15100 पर कॉल कर विधिक सहायता और सलाह प्राप्त की जा सकती है। कानूनी मामलों में विविध सलाह एवं परामर्श की यह सेवा विधिक परामर्श केंद्र से पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध है। कार्यक्रम में रिटायर्ड शासकीय शिक्षिका उषा मालवीय, कल्पना काशिव, कमला सोनी, सुमन तिवारी, संध्या चौरे तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं का शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती रेखा बिश्नोई द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुल 52 महिलाएं उपस्थित रहीं।

चंडीगढ़ में जिला खेल अधिकारी ने जीता स्वर्ण पदक

अनोखा तीर, हरदा। हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ में 5 से 10 मार्च तक ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज वेट लिफ्टिंग एवं पावर लिफ्टिंग खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में सभी राज्यों के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरदा जिले की खेल

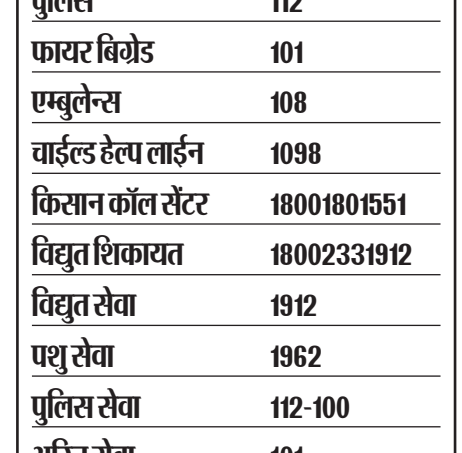

अधिकारी सुश्री उमा पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सुश्री उमा पटेल ने मध्य प्रदेश खेल और युवा कल्याण विभाग, भोपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए 63 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवाते हुए कुल 93 किलोग्राम वजन उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला खेल अधिकारी सुश्री पटेल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हरदा कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक श्री शशांक, जिला क्रीड़ा अधिकारी रामनिवास जाट, ब्लॉक समन्वयक सलमा खान और जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष संदीप पटेल सहित समस्त खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
वाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
वाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

जूनापानी की मुस्कान ने 10वीं में किया टॉप

-ना बोल सकती, ना सुन सकती, फिर भी हर काम में

अनोखा तीर, तामिया/छिंदवाड़ा। तामिया तहसील के ग्राम जूनापानी की छात्रा मुस्कान भारती की खामोशी अब उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत बन गई है। मुस्कान न तो बोल सकती है और न ही सुन सकती है, इसके बावजूद वह पढ़ाई से लेकर हर गतिविधि में अव्वल रहती है। भारिया समाज से आने वाली मुस्कान वर्तमान में आदिवासी स्कूल बिजोरी में कक्षा 11वीं की छात्रा है। वह अपने गांव से प्रतिदिन लगभग 6 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल पहुंचती है। सामान्य बच्चों के साथ पढ़ते हुए उसने कक्षा 10वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण होकर टॉप किया था। पढ़ाई के साथ-साथ डांस, पेंटिंग और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उसका कोई मुकाबला नहीं कर पाता। स्कूल के प्राचार्य विशाल दुफारे ने बताया कि मुस्कान आम विद्यार्थियों के साथ ही कक्षा में बैठती है। वह शिक्षकों के होंठों के हाव-भाव और पढ़ाने के तरीके से पाठ को समझ लेती है। इसके अलावा खेलकूद और अन्य गतिविधियों में भी वह हमेशा आगे रहती है। प्राचार्य ने बताया कि मुस्कान असाधारण प्रतिभा की धनी है। वह बोल और सुन नहीं सकती, लेकिन पढ़ने और लिखने में बेहद तेज है। इसलिए शिक्षक उसे परीक्षा की तैयारी के लिए लिखित नोट्स देते हैं, जिन्हें वह याद कर लेती है। बाद में ब्लैकबोर्ड पर लिखवाकर उसका अभ्यास भी कराया जाता है। वर्तमान में मुस्कान कक्षा 11वीं में कृषि संकाय की छात्रा है। मुस्कान के पिता अतरलाल भारती मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं और तीनों ही बोल व सुन नहीं सकते। मुस्कान ने चौथी कक्षा तक छिंदवाड़ा के एक मूक-बधिर स्कूल में पढ़ाई की थी। उनकी दूसरी बेटी ईशा भारती भी बिजोरी स्कूल में कक्षा 10वीं में पढ़ रही है, जबकि बेटा नागपुर के एक मूक-बधिर स्कूल में अध्ययनरत है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में सामान्य बच्चों के साथ पढ़ाई कराने में थोड़ी कठिनाई हुई थी, लेकिन शिक्षकों के सहयोग से अब मुस्कान आसानी से पढ़ाई कर लेती है। स्कूल में जब भी कोई विशेष कार्यक्रम या अतिथि आते हैं, तो सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुस्कान सबसे आगे रहती है। सामाजिक न्याय और निशक्तजन विभाग के मोबिलिटी इंस्ट्रक्टर सुरेश यादव के अनुसार, कई बार जिन बच्चों को प्रकृति किसी एक क्षमता से वंचित करती है, उन्हें अन्य क्षेत्रों में विशेष प्रतिभा प्रदान करती है।

अवैध शराब विक्रस व संग्रहण के विरूद्ध 12 प्रकरण दर्ज

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन व जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के दल ने बुधवार को मदिरा के अवैध विक्रय, परिवहन व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी सुनील भोजने ने बताया कि इस दौरान आबकारी विभाग के दल ने जिले के ग्राम रेलवा, दोंगलीघाट, नयापुरा, उंढाल, उचान घाट, छोटी हरदा, अतरसमा, पीलियाखाल व टंकी मोहल्ला में दबिश दी। दबिश के दौरान कुल 21 पाव देशी शराब, 34 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 740 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 12 प्रकरण दर्ज किए।

केन्द्रीय विद्यालय हरदा शासकीय आदर्श महाविद्यालय अबगॉव खुर्द

KENDRIYA VIDYALAYA HARDA GOVT. ADARSH COLLEGE ABGOAV KHURD

Web Site :- https://harda.kvs.ac.in, EMAIL ID-kvhrd_2010@yahoo.com, ppl.harda@kvs.gov.in

School No. 54152 Affiliation No. 1000091, School Dies No. 23360117107

दिनांक 07.03.2026

प्रेस विज्ञापन

सत्र 2026-27 हेतु संविदा शिक्षकों के चयन हेतु दिनांक 18.03.2026 को साक्षात्कार का आयोजन

केंद्रीय विद्यालय हरदा अबगॉवखुर्द में सत्र 2026-27 के लिए निम्नलिखित पदों हेतु संविदा आधारित शिक्षकों का पेनल तैयार किया जाना है। **TGTS- (Maths, Science, Social Science, Sanskrit Hindi, English) PRTs-Primary Teacher, Special Educator, Computer Instructor** उक्त पदों के योग्य इच्छुक उम्मीदवार साक्षात्कार हेतु अपना ऑनलाईन आवेदन/रजिस्ट्रेशन दिनांक 08.03.2026 से 16.03.2026 रात्रि 12 बजे तक विद्यालय की बेवसाईट **https://harda.kvs.ac.in** पर जाकर कर सकते है। साक्षात्कार हेतु आने वाले सभी उम्मीदवार अपने बायोडाटा फार्म भरकर मूल एवं सभी दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियो के साथ साक्षात्कार में दिनांक 18.03.2026 को प्रातः 8 बजे विद्यालय में उपस्थित होगे। बायोडाटा फार्म एवं पद की अनिवार्य योग्यतायें विद्यालय की बेवसाइट **https://harda.kvs.ac.in** से डाउनलोड की जा सकती है।

प्राचार्य

केन्द्रीय विद्यालय हरदा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष !

-श्रीमती संदीप मुंजाल
रणरागिनी महिला शाखा, हिंदू जनजागृति समिति
संपर्क - 9811414247

महिलाओं को वास्तविक अर्थ में सक्षम बनाना हो, तो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऐसे 3 स्तरों पर उपाय करने होंगे। प्रसिद्धि प्राप्ति के लिए मंदिर की परम्परा तोडकर गर्भगृह में घुसने से महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं होता, यह ध्यान में रखना चाहिए। महिलाओं को शारीरिक स्तर पर सक्षम बनाने के लिए उन्हें स्वसंरक्षण प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर इसके लिए प्रयास हो सकते हैं; किंतु केवल शारीरिक सक्षमता पर्याप्त नहीं है।

'साधना द्वारा आत्म तेज जागृत करना', यही सच्चा सशक्तिकरण है !

पिछले कुछ वर्षों से स्त्री-मुक्ति या महिला सशक्तिकरण, ये विषय चर्चा में हैं। 'महिलाओं का सशक्तिकरण' यह विषय अधिकांश समय आधुनिकीकरण अथवा पाश्चात्य और भारतीय संस्कृति-विरोधी विचारधारा के प्रभाव से चर्चा में आता है। 'अमर्यादित स्वतंत्रता ही मुक्ति है' ऐसी अयोग्य संकल्पना तथाकथित प्रगतिशील और संस्कृति-विरोधियों द्वारा प्रसारित करने के प्रयास किए जाने के कारण आज अनेक महिलाएं, युवतियां अयोग्य मार्ग पर चल रही हैं। उन्हें वास्तविक उन्नति के मार्ग पर लाना हो, तो अयोग्य संकल्पनाओं की धारणाओं को नष्ट कर उन्हें योग्य दिशा देनी होगी। यह दिशा संस्कृति का अनुसरण और धर्माचरण करने के संदर्भ में है ; क्योंकि साधना करके प्राप्त होने वाला आत्मतेज ही व्यक्ति की व्यावहारिक और पारलौकिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है।

हिंदू धर्म में महिलाओं का स्थान - 'भारतीय संस्कृति में महिलाओं पर अनेक बंधन थे। हाल के समय में विशेषत: उन्हें शिक्षा मिलने के बाद महिलाओं को अनेक अधिकार प्राप्त हुए', ऐसा अपप्रचार अनेक लोगों द्वारा किया जाता है ; किंतु अध्ययन करने पर वास्तविकता भिन्न होना ध्यान में आता है। भारतीय संस्कृति या सनातन हिंदू धर्म ने किसी पर भी अन्याय करने की शिक्षा कभी भी नहीं दी, अपितु सदैव 'वसुधैव कुटुम्बकम' अथवा 'सर्वेत्र सुखिन: सन्तु' ऐसी प्रार्थना की है। मनुस्मृति में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।' अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है, वहां देवता रमण करते हैं, ऐसा कहा गया है। हिंदू धर्म ने महिलाओं को कभी भी उपभोग की वस्तु नहीं माना। अपितु हिंदू धर्म ने स्त्री को आदिमाया शक्ति का रूप माना है। विवाह के पश्चात कोई भी पूजा पत्नी की सहभागिता के बिना पूर्ण नहीं होती। हिंदू धर्म में देवताओं के नाम भी लक्ष्मी-नारायण, सीता-राम, राधे-श्याम, गौरी-शंकर इस प्रकार के हैं। जहाँ स्त्रियों को पुरुषों से भी ऊंचा स्थान दिया गया है, वहां स्त्री-पुरुष समानता की बातें करना अर्थात स्त्रियों का अवमूल्यन करने जैसा है। महिलाओं के लिए एक दिन नहीं, अपितु प्रत्येक दिन ही हिंदू धर्म ने दिया है। देवताओं के नाम उच्चारण करते समय भी पहले देवियों को वंदन करने वाला धर्म, अन्यायकारक है, ऐसा कहना ही हिंदू-द्वेष है, यह ध्यान में रखना चाहिए।

विद्वान, शूर और कर्तव्यनिष्ठ महिलाएं - भारतीय संस्कृति में अनेक विद्वान, पराक्रमी, कुशल महिलाओं के नाम सुने जाते हैं। महाभारत युद्ध में कश्मीर के राजा के मारे जाने के बाद उसकी पत्नी यशोमती का राज्याभिषेक स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने किया था। अर्जुन की एक पत्नी चित्रांगदा मणिपुर राज्य की रानी थी। श्री राम वनवास गमन पर, राजगुरु वसिष्ठ ऋषि ने राज्याभिषेक हेतु सीता जी के नाम हेतु सुझाव दिया था ; किंतु सीताजी ने श्रीराम के साथ वनवास में जाने की अनुमति मांगी, इसलिए उसने राज्यकारभार नहीं दिया गया, ऐसा उल्लेख वाल्मीकि रामायण में है।

तात्पर्य हिंदू धर्म ने कभी भी स्त्री को कर्तृत्व से नहीं रोका है। पुराणों में अनेक विदुषियों के उल्लेख मिलते हैं। गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा आदि विदुषियां वेद-शास्त्र में पारंगत थीं। माता कैकेयी का आचरण कैसा भी रहा हो, किंतु दशरथ राजा के साथ कैकेयी भी युद्ध में शस्त्र हाथ में लेकर लड़ाई कर रही थी, ऐसा वर्णन है। हाल के समय का उदाहरण देखना हो, तो रानी लक्ष्मीबाई युद्ध शास्त्र में पारंगत थीं। देश प्रेम से ओतप्रोत होने के कारण ही छोटे से बालक को पीठ पर बांधकर वे युद्ध लड़ने गईं। शहाजीराजे के कर्नाटक में रहते समय राजमाता जिजाऊ ने पुणे में जहांगीर का राज्यकारभार संभाला। छत्रपति राजाराम की पत्नी रानी ताराबाई ने कर्तृत्व दिखाकर कोल्हापुर संस्थान की स्थापना की थी। अहिल्याबाई होलकर पति के निधन के बाद होलकर घराने की बागडोर संभाली।

संक्षेप में शूर-वीर, विद्वान महिलाओं की परंपरा भारत को प्राप्त हुई है।

इस परंपरा के पथिक बनना हो, तो अपने भीतर के गुणों का

विकास करके त्रुटियों और हीन भावना पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। 'छोटे या पाश्चात्य कपड़े ही आधुनिकता हैं', 'अंग्रेज़ी बोलना ही प्रगतिशीलता है' ऐसी अंधश्रद्धा त्याग देनी चाहिए। स्वच्छंदता जैसी बातों का त्याग करना चाहिए। स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में भेद है। उसे समझना चाहिए। परिवार व्यवस्था भारत की शक्ति है। स्त्री परिवार व्यवस्था की रीढ़ है। यह रीढ़ जितनी मजबूत होगी, उतनी ही परिवार व्यवस्था सुदृढ़ रहेगी। सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन महिलाओं ने अधिक मात्रा में किया है। आज विश्व भर के लोग भी 'बैक टू मदरहुड' कहते हुए परिवार व्यवस्था को बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। हमें भी शालीनता और सुसंस्कृतता को बनाए रखने के संस्कार करने चाहिए।

असुरक्षित महिला - आज देश की परिस्थिति का विचार करें, तो महिलाएं असुरक्षित हैं। जिस देश में एक महिला के शील रक्षण के विषय पर रामायण, महाभारत घटित हुए, उसी देश में आज प्रतिदिन सैकड़ों महिलाएं अत्याचार की शिकार हो रही हैं। 'नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो' के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में भारत में महिलाओं पर हिंसाचार के संदर्भ में 4.05 लाख घटनाओं की प्रविष्टि हुई। इनमें से 30 प्रतिशत घटनाएं घरेलू हिंसाचार की हैं, जबकि 8 प्रतिशत घटनाएं बलात्कार की हैं। 'ऑक्सफेम' इस वैश्विक विश्लेषण संस्था ने भारत में प्रत्येक 15 मिनट में एक लड़की के साथ बलात्कार होने की बात कही है। देश में वर्ष 2018 में बलात्कार की 34 हजार घटनाओं की प्रविष्टि हुई। 85 प्रतिशत प्रकरणों में आरोप निश्चित हुए ; किंतु दंड केवल 27 प्रतिशत लोगों को ही हो सकी, ऐसा इस रिपोर्ट में कहा गया है। धर्मशिक्षण के अभाव में अनेक हिंदू युवतियां आज 'लव जिहाद' की शिकार हो रही हैं।

रामराज्य में महिलाएं मध्यरात्रि में आभूषण पहनकर अकेली घर से बाहर जा सकती थीं। आज ऐसी स्थिति नहीं है ; क्योंकि आज रामराज्य नहीं है। छत्रपति शिवाजी महाराज के काल में भी महिलाओं की ओर टेढ़ी दृष्टि से देखने वाले को हाथ-पाव काट दिए जाने का दंड मिला था। आज तुरंत दंड देना तो दूर ; अपितु पीड़ित महिला की शिकायत भी सहजता से दर्ज नहीं की जाती, यह वास्तविकता है। केवल कठोर कानून बनाकर यह स्थिति नहीं बदलेगी, अपितु इसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास करने होंगे।

शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक सक्षमता- महिलाओं को वास्तविक अर्थ में सक्षम बनाना हो, तो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऐसे 3 स्तरों पर उपाय करने होंगे। प्रसिद्धि प्राप्ति के लिए मंदिर की परम्परा तोडकर गर्भगृह में घुसने से महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं होता, यह ध्यान में रखना चाहिए। महिलाओं को शारीरिक स्तर पर सक्षम बनाने के लिए उन्हें स्वसंरक्षण प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर इसके लिए प्रयास हो सकते हैं ; किंतु केवल शारीरिक सक्षमता पर्याप्त नहीं है। परिस्थितियों का सामना करने का मनोबल और आत्मबल भी आवश्यक होता है। यह बल साधना और धर्माचरण के माध्यम से ही प्राप्त हो सकता है। आज अनेक महिलाएं, यहां तक कि विवाहित महिलाए भी माथे पर लाल गोल कुमकुम लगाने में लज्जा महसूस करती हैं। आधुनिकता के नाम पर पारंपरिक भारतीय परिधान छोड़कर छोटे कपड़े पहनती हैं। इस प्रकार उच्छृंखल आचरण से मनोबल और आत्मबल प्राप्त नहीं होगा, अपितु यह बल प्राप्त करने के लिए साधना ही करनी होगी। भक्ति और साधना के बल के कारण ही संत मीराबाई पर प्राणघातक संकट आने पर भी श्रीकृष्ण ने उनका अद्भुत रूप से रक्षण किया। भक्ति में ही शक्ति है, यह ध्यान में रखकर अपनी भाव भक्ति बढ़ानी चाहिए। 'साधना द्वारा आत्म तेज जागृत करना', यही सच्चा सशक्तिकरण है, यह ध्यान में रखना चाहिए। राजमाता जीजामाता, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, देवी अहिल्याबाई होलकर, रानी चेनम्मा जैसी वीरांगनाओं के आदर्शों पर चलना ही सशक्तिकरण है।

नारी ना कभी हारी

घर बाहर में आपसी तालमेल बनाना,
इन जिम्मेदारियों को सकुशल निभाना,
बहुत कठिन होता है सामंजस्य बैठाना,
आलोचनाओं को सहकर भी मुस्कुराना।

बहुत सीमाएं लकीरें रास्ते में होती खड़ी,
सपनों की ये उड़ान होती मुश्किल बड़ी,
बदल कर तस्वीर उसने पार करी ये घड़ी,
आज नारी हौसलों से नर पर भारी पड़ी।

बनाई नारी ने अपनी एक खास पहचान,
पार किए सूझ-बूझ से दुष्कर व्यवधान,
घोली आनंद मिठास रिश्तों के दरम्यान,
मेहनत हिम्मत से पूरे किए अपने अरमान।

बनकर मिसाल बाधाओं को किया जो चूर,
आज हर क्षेत्र में बनी वो महारथी व मशहूर,
नारी को कहते थे जो घर तक सीमित मजबूर,
आज वे ठोक बजा यश उसका गाते भरपूर।

योगदान विश्व में नारी शक्ति का है भारी,
आज जिसके समक्ष दुनिया झुकती सारी,
न रही वो अबला, मासूम, बेकार, बेचारी,
नारी ना कभी हारी नारी से सृष्टि है सारी।

- मोनिका डागा आनंद, चेन्नई, तमिलनाडु

मध्यप्रदेश की राजनीति में महिलाओं की स्थिति

अंजनी सक्सेना

ाज्य के राजनीतिक इतिहास में महिला नेतृत्व की शुरुआत जिस गरिमा और प्रभाव के साथ हुई थी, वह आगे चलकर निरंतरता नहीं पकड़ सकी। शुरुआती दशकों में कुछ ऐसी महिलाएं सामने आईं जिन्होंने न केवल प्रदेश की राजनीति को दिशा दी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान स्थापित की। लेकिन समय के साथ वह परंपरा कमजोर होती चली गई।

मध्यप्रदेश का राजनीतिक इतिहास कई प्रभावशाली पुरुष नेताओं के नाम से भरा पड़ा है, लेकिन जब इसी इतिहास को महिला नेतृत्व के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तो तस्वीर कुछ अलग दिखाई देती है। राज्य के गठन 1956 से लेकर आज तक महिला नेताओं की मौजूदगी तो रही, परंतु संख्या और प्रभाव के लिहाज से यह उपस्थिति सीमित ही रही है। कुछ नाम ऐसे हैं जिन्होंने अपने समय में मजबूत पहचान बनाई, लेकिन उनके बाद उसी स्तर का व्यापक और दीर्घकालिक महिला नेतृत्व उभरता दिखाई नहीं देता। यही कारण है कि आज भी मध्यप्रदेश की राजनीति में प्रभावी महिला नेतृत्व की कमी अक्सर चर्चा का विषय बनती है। राज्य के राजनीतिक इतिहास में महिला नेतृत्व की शुरुआत जिस गरिमा और प्रभाव के साथ हुई थी, वह आगे चलकर निरंतरता नहीं पकड़ सकी। शुरुआती दशकों में कुछ ऐसी महिलाएं सामने आईं जिन्होंने न केवल प्रदेश की राजनीति को दिशा दी, बल्कि राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान स्थापित की। लेकिन समय के साथ वह परंपरा कमजोर होती चली गई।

गरिमामयी राजनीति की आधारशिला राजमाता सिंधिया- मध्यप्रदेश की राजनीति में महिला नेतृत्व की सबसे प्रभावशाली शुरुआत श्रीमती विजयाराजे सिंधिया से मानी जाती है। ग्वालियर राजघराने की राजमाता विजयाराजे सिंधिया ने केवल चुनावी राजनीति ही नहीं की, बल्कि वैचारिक राजनीति को मजबूत आधार दिया। अपने गरिमापूर्ण और ममतामयी व्यवहार से जनसंघ और बाद में भाजपा के संगठन को खड़ा करने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। वे केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थीं, बल्कि एक ऐसी व्यक्तित्व थीं जिन्होंने वैचारिक प्रतिबद्धता और जनसंपर्क दोनों को साथ लेकर राजनीति की। 1960 और 1970 के दशक में मध्यप्रदेश में जनसंघ की जड़ें मजबूत करने में उनका योगदान निर्णायक माना जाता है। इमरजेंसी के दौरान उनका संघर्ष भी राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। राजमाता ने सत्ता के विरुद्ध खुलकर आवाज उठाई और जेल जाने से भी पीछे नहीं हटीं। इस तरह वे केवल ग्वालियर या चंबल क्षेत्र की नेता नहीं रहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनकी मजबूत पहचान बनी।

आदिवासी नेतृत्व की सशक्त आवाज जमुना देवी- कांग्रेस की राजनीति में यदि किसी महिला नेता ने गहरा प्रभाव छोड़ा, तो वह थीं जमुना देवी। जमुना देवी को मध्यप्रदेश की सबसे प्रभावशाली आदिवासी महिला नेता माना जाता है। वे कई बार विधायक चुनी गईं और राज्य सरकार में मंत्री भी रहीं। 2003 से 2008 तक वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहीं, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। उनकी राजनीति केवल पदों तक सीमित नहीं थी। वे आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से उठाने वाली नेता थीं। ग्रामीण क्षेत्रों में उनका जनाधार बहुत मजबूत था और वे आम लोगों से सीधे संवाद करने वाली नेता के रूप में जानी जाती थीं। जमुना देवी के निधन के बाद कांग्रेस में वैसी ही मजबूत महिला आदिवासी नेतृत्व की कमी अक्सर महसूस की जाती है।

अग्निमुखी साध्वी उमा भारती- मध्यप्रदेश की राजनीति में महिला नेतृत्व का सबसे बड़ा प्रतीक उमा भारती के रूप में सामने आया। 2003 में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद फायर ब्रांड नेता और अग्निमुखी साध्वी के नाम से प्रसिद्ध उमा भारती मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। यह प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण था, क्योंकि पहली बार किसी महिला नेता ने राज्य की सत्ता संभाली। उमा भारती की राजनीति का अपना अलग ही अंदाज रहा। वे ओजस्वी वक्ता थीं और जनसभाओं में उनकी लोकप्रियता बहुत अधिक थी। राम मंदिर आंदोलन से लेकर राज्य की राजनीति तक उनका प्रभाव व्यापक रहा। हालाँकि उनका मुख्यमंत्री कार्यकाल बहुत लंबा नहीं रहा, लेकिन उन्होंने यह साबित किया कि महिला नेतृत्व भी प्रदेश की राजनीति में शीर्ष तक पहुंच सकता है।

सशक्त सुमित्रा महाजन- मध्यप्रदेश की राजनीति से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली सुमित्रा महाजन इंदौर से लगातार आठ बार लोकसभा सांसद चुनी गईं। यह उपलब्धि अपने आप में बहुत बड़ी है। उनकी राजनीतिक शैली सशक्त, संयमित और संगठनात्मक रही। 2014 से 2019 तक वे लोकसभा की स्पीकर रहीं, जो भारतीय लोकतंत्र में अत्यंत प्रतिष्ठित पद है।

सरल, सहज, लोकप्रिय सुषमा स्वराज- सुषमा स्वराज भारतीय राजनीति की सबसे लोकप्रिय महिला नेताओं में गिनी जाती हैं। वे विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत आवाज बनीं। सोशल मीडिया के माध्यम से आम नागरिकों की मदद करने की उनकी शैली ने उन्हें जनता के बीच बेहद लोकप्रिय बनाया तो मध्यप्रदेश के विदिशा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर उन्होंने मध्यप्रदेश का भी राष्ट्रीय राजनीति में मान बढ़ाया।

इनके अतिरिक्त विद्यावती चतुर्वेदी, विमला वर्मा, मैमूना सुल्तान, जयश्री बैनर्जी, डॉ. नजमा हेपतुल्ला, कुसुम मेंहदले, उर्मिला सिंह, डॉ.कल्पना परुलेकर, यशोधरा राजे, डॉ. विजय लक्ष्मी साधौ, अनुसुईया उइके, मीनाक्षी नटराजन और कल्याणी पाण्डेय भी प्रदेश की चर्चित और सक्रिय राजनेता रही हैं।

वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य में रिक्तता- सुषमा स्वराज और सुमित्रा महाजन के बाद राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की महिला नेतृत्व की ऐसी मजबूत पहचान फिलहाल दिखाई नहीं दे रही है। आज की राजनीति में प्रदेश से कई महिला नेता जैसे-केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कृष्णा गौर, संपतिया उइके, निर्मला भूरिया, राधा सिंह, प्रतिमा बागरी, सांसद लता वानखेड़े, विधायक अर्चना चिटनीस, पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर सक्रिय जरूर हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर उनका प्रभाव और स्वीकार्यता में कमी स्पष्ट दिखाई देती है। वैसे यह केवल किसी एक दल की समस्या नहीं है, बल्कि लगभग सभी राजनीतिक दलों में यह स्थिति दिखाई देती है।

कांग्रेस में महिला नेतृत्व- कांग्रेस की बात करें तो जमुना देवी और उर्मिला सिंह के बाद राज्य में वैसा प्रभावशाली महिला नेतृत्व उभरता दिखाई नहीं देता। कांग्रेस संगठन में कुछ महिलाएं जरूर सक्रिय रही हैं। उदाहरण के तौर पर शोभा ओझा को महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने का अवसर मिला। यह एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक उपलब्धि थी लेकिन चुनावी राजनीति में लगातार सफलता न मिल पाने के कारण उनका प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो सका, जितनी अपेक्षा की जा रही थी। यही स्थिति मीनाक्षी नटराजन की भी रही। पूर्व में मध्यप्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष रही उर्मिला सिंह अवश्य बाद में हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल रही और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रही। वस्तुत- राजनीति में संगठन और जनाधार दोनों का संतुलन आवश्यक होता है। यदि कोई नेता चुनावी मैदान में मजबूत प्रदर्शन नहीं कर पाता, तो उसकी राजनीतिक पहचान सीमित रह जाती है।

भाजपा में भी अवसरों की कमी- भाजपा में भी स्थिति बहुत अलग नहीं है। राजमाता सिंधिया और उमा भारती जैसी प्रभावशाली महिला नेताओं के बाद उस स्तर का व्यापक महिला नेतृत्व कम दिखाई देता है। राज्य सरकारों में महिला मंत्री जरूर रही हैं और कई महिलाएं विधायक भी बनी हैं, लेकिन प्रदेश स्तर या राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनाधार और वैचारिक प्रभाव रखने वाली महिला नेताओं की संख्या सीमित ही है।

पंचायत और स्थानीय राजनीति से बदलाव के संकेत- हालाँकि एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि पंचायत और नगरीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। आरक्षण व्यवस्था के कारण हजारों महिलाएं सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य और पार्षद के रूप में राजनीति में आई हैं। इससे राजनीति में महिलाओं की भागीदारी का आधार जरूर बढ़ा है लेकिन स्थानीय स्तर से प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की राजनीतिक यात्रा अभी भी आसान नहीं है। इसके लिए संगठनात्मक समर्थन, संसाधन और दीर्घकालिक राजनीतिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

सामाजिक और राजनीतिक कारण- महिला नेतृत्व की कमी के पीछे कई सामाजिक और राजनीतिक कारण भी हैं। राजनीति अभी भी काफी हद तक पुरुष प्रधान मानी जाती है। चुनावी राजनीति में संसाधनों की आवश्यकता, लंबे समय तक क्षेत्र में सक्रिय रहने की चुनौती और पारिवारिक जिम्मेदारियां भी कई बार महिलाओं के लिए बाधा बनती हैं।। इसके अलावा राजनीतिक दल भी कई बार महिलाओं को सीमित अवसर देते हैं। चुनावी टिकट वितरण में महिलाओं की संख्या अभी भी कम रहती है।

क्या हैं संभावनाएँ- प्रदेश में उन महिलाओं के सामने, जो राजनीति में आगे बढ़ने की क्षमता, योग्यता और सपना रखती हैं, स्थिति निराशाजनक तो बिल्कुल नहीं है लेकिन चुनौतियां अवश्य हैं नई पीढ़ी की कई महिलाएं राजनीति में सक्रिय हो रही हैं। शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और राजनीतिक भागीदारी के बढ़ते अवसरों के कारण आने वाले समय में मजबूत महिला नेतृत्व उभरने की संभावना भी है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक भूमिका तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी बराबर स्थान दें। यदि आने वाले समय में राजनीतिक दल महिला नेतृत्व को गंभीरता से आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं, तो संभव है कि मध्यप्रदेश की राजनीति में फिर से ऐसी प्रभावशाली महिला नेता उभरें जो प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति में भी नई पहचान स्थापित करें।

बाबासाहेब की दृष्टि में भारतीय मुस्लिम स्त्री विमर्श

-डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

मुस्लिम समाज के कथित नेता बाबासाहेब का नाम सृजनात्मक संदर्भों में लेते ही नहीं हैं। भीम मीम का नारा नींद में भी उछालने वाले कुछ समाजतोड़क, देशतोड़क, विघ्नसंतोषी, कथित बुद्धिजीवी और अर्बन नक्सलाइट प्रकार के लोग भी इस संदर्भ में चुप्पी ही साधे रहते हैं। ये कथित लोग बाबासाहेब की, भीम मीम की बातें रात दिन रटेंगे किंतु केवल समाज विभाजन के कुटिल दुराशय के साथ। जब समाज निर्माण, समाज सुधार, रीति-नीति संशोधन, परंपरा परिष्करण, की बात आती है तो इस कथिक समाज तोड़क, विभाजनकारी वर्ग को बाबासाहेब के विचार स्मरण में ही नहीं आते हैं।

डॉक्टर भीमराव रामजी अम्बेडकर यानि बाबा साहेब केवल किसी एक समुदाय या जाति विशेष में व्याप्त रूढ़ियों, कुरीतियों और बुराइयों हेतु ही चिंतित नहीं थे। बाबा साहेब समूचे भारत के सभी वर्गों में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु प्रयासरत रहते थे। इस नाते ही वे मुस्लिम समुदाय में व्याप्त कुरीतियों के प्रति भी अत्यधिक चिंतित रहते थे। दुखद विषय यह रहा कि, भारतीय मुस्लिम समुदाय ने कभी भी बाबासाहेब के विचारों को, इस्लाम की कुरीतियों के संदर्भ में गंभीरता से नहीं लिया। हाँ, भारतीय मुस्लिम नेताओं ने कुछ विभाजनकारी संगठनों के फेर में आकर भीम मीम जैसे सुंदर शब्दों को विद्रूप शब्दों में बदला व विभाजकारी के साथ साथ देशद्रोही राजनीति भी अवश्य की। बड़ा आश्चर्य है कि, भारतीय मुस्लिम समुदाय की महिलाओं के विषय में बाबासाहेब के रोडमैप के ऊपर कोई बात ही नहीं करना चाहता है। इस्लामिक महिलाओं की तीन तलाक़, हलाला, हिजाब, बुर्का, अशिक्षा, मुताह आदि कुरीतियों के प्रति बाबा साहेब ने अपने विचार भारत अथवा पाकिस्तान का विभाजन में स्पष्ट लिखे हैं।

मुस्लिम समाज के कथित नेता बाबासाहेब का नाम सृजनात्मक संदर्भों में लेते ही नहीं हैं। भीम मीम का नारा नींद में भी उछालने वाले कुछ समाजतोड़क, देशतोड़क, विघ्नसंतोषी, कथित बुद्धिजीवी और अर्बन नक्सलाइट प्रकार के लोग भी इस संदर्भ में चुप्पी ही साधे रहते हैं। ये कथित लोग बाबासाहेब की, भीम मीम की बातें रात दिन रटेंगे किंतु केवल समाज विभाजन के कुटिल दुराशय के साथ। जब समाज निर्माण, समाज सुधार, रीति-नीति संशोधन, परंपरा परिष्करण, की बात आती है तो इस कथिक समाज तोड़क, विभाजनकारी वर्ग को बाबासाहेब के विचार स्मरण में ही नहीं आते हैं।

कर्नाटक हिजाब के न्यायलीन प्रकरण में निर्णय देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ ने एक सौ उनतीस पृष्ठीय विस्तृत निर्णय दिया था। इस निर्णय में बहुत सी पुस्तकों, विचारकों, दृष्टांतों व कथानकों को आधार बनाया गया था। हिजाब पर गठित इस न्यायिक पीठ ने लिखा है कि इस संदर्भ में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के विचार भी इसी तरह के हैं। बाबा साहब ने वर्ष 1945 अपनी प्रसिद्ध पुस्तक पाकिस्तान ऑर द पार्टीशन ऑफ इंडिया के दसवें अध्याय में पहले भाग को लिखते समय सोशल स्टैगनेशन शीर्षक के अन्तर्गत लिखा है - एक मुस्लिम महिला सिर्फ अपने बेटे, भाई, पिता, चाचा ताऊ और शौहर को देख सकती है या फिर अपने वैसे रिश्तेदारों को जिन पर विश्वास किया जा सकता है। वो मस्जिद में नमाज अदा करने भी नहीं जा सकती। बिना बुर्का पहने वो घर से बाहर भी नहीं निकल सकती। तभी तो भारत के गली कूचों सड़कों पर आती जाती बुर्कानशीं मुस्लिम औरतों का दिखना आम बात है। मुसलमानों में भी हिंदुओं की तरह और कई जगह तो उनसे भी ज्यादा सामाजिक बुराइयां हैं। अनिवार्य पर्दा प्रथा भी उनमें से ही एक है। उनका मानना है कि उससे उनका शरीर पूरी तरह ढंका होता है। लिहाजा शरीर और सौंदर्य के प्रति सोचने के बजाय वो पारिवारिक झंझटों और रिश्तों की उलझनें सुलझाने में ही उलझी रहती हैं क्योंकि उनका बाहरी दुनिया से संपर्क कटा रहता है। वो बाहरी सामाजिक कार्यकलाप में हिस्सा नहीं लेती लिहाजा उनकी गुलामों जैसी मानसिकता हो जाती है। वो हीन भावना से ग्रस्त कुंठित और लाचार किस्म की हो जाती हैं। कोई भी भारत में मुस्लिम औरतों में पर्दा प्रथा से उपजी समस्या के गंभीर असर और परिणामों के बारे में जान सकता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय की इस पीठ ने अपने निर्णय में लिखा है - हमारे संविधान निर्माताओं में प्रमुख डॉक्टर अंबेडकर ने तो पचास वर्ष पूर्व ही पर्दा प्रथा की दोष व हानियां बताई थी। बाबासाहेब के ये विचार हिजाब, घूंघट और नकाब पर भी बराबर तौर से लागू होते हैं। ये परदा प्रथा किसी भी समाज और धर्म की

आड़ में हो हमारे संविधान के आधारभूत समता और सबको समान अवसर मिलने के सिद्धांत के सर्वथा खिलाफ है। स्कूलों के ड्रेसकोड से अलग हिजाब, भगवा पटके, हेडगियर या अंगवस्त्र सहित धार्मिक प्रतीक चिह्न पहनना कतई उचित नहीं है. ये अनुशासन के भी खिलाफ है। (डॉ. अंबेडकर ने तो 50 साल पहले ही पर्दा प्रथा की.. हिजाब विवाद में 1940 के दशक में उन्होंने अपनी प्रसिद्ध व चर्चित पुस्तक पाकिस्तान अथवा भारत का विभाजन में मुस्लिम महिला विषय पर गंभीरता और पूरी स्पष्टता से प्रकाश डाला है। बाबासाहेब ने अपनी पुस्तक के पेज नंबर 235 पर लिखा - हिंदुओं के वर्चस्व की वजह से मुसलमान हर उस चीज़ को सुरक्षित रखने पर ज़ोर देता है जो कि इस्लामी है। वो ये जांचने-परखने की हिम्मत भी नहीं करता कि ये मुस्लिम समाज के लिए लाभप्रद है या हानिकारक। सुधारवादी कार्यक्रमों के प्रति भारतीय मुसलमान भय में रहता है। सुधारवादी कार्यक्रमों के प्रति सामान्य भारतीय मुस्लिम एकबारगी आकर्षित भी हो तो इस्लाम की मूल विस्तारवादी धारणाओं की मस्जिदों में होने वाली तक़रीरें उसे इस ओर बढ़ने से रोक देती हैं। इसी के चलते वो एक सामान्य सामाजिक, राजनैतिक व राष्ट्रवादी विचार में विलीन होने से बचता है। यही वह मोड़ है जहां आकर भारत का मुसलमान अन्य देशों के मुसलमानों की तुलना में सामाजिक सुधार के विषय में पिछड़ जाता है।

हिंदू और मुस्लिम दोनों ही की पर्दा प्रथा के संदर्भ में बड़ा ही स्पष्ट मंतव्य प्रकट करते हुए बाबासाहेब अपनी पुस्तक भारत अथवा पाकिस्तान का विभाजन के पेज नंबर 232 में लिखते हैं - ऐसा नहीं है कि पर्दा और ऐसी ही अन्य बुराइयां देश के कुछ भागों में हिंदुओं के कई वर्गों में प्रचलित नहीं है। परंतु अंतर केवल यही है कि मुसलमानों में पर्दा-प्रथा को एक धार्मिक आधार पर मान्यता दी गई है, लेकिन हिंदुओं में ऐसा नहीं है। हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों में पर्दा-प्रथा की जड़े गहरी हैं। मुसलमानों में पर्दाप्रथा एक वास्तविक समस्या है, जबकि हिंदुओं में ऐसा नहीं है। मुसलमानों ने इसे समाप्त करने का कभी प्रयास किया हो, इसका भी कोई साक्ष्य नहीं मिलता है।

बाबासाहेब मुस्लिम समुदाय में व्याप्त बहुविवाह प्रथा से भी अत्यंत कुपित और खिन्न रहते थे। एक स्पष्टवक्ता और बेलाग मानस का धनी होने के नाते वे इस्लाम की बुराई का उल्लेख अपने भाषणों, चर्चाओं व लेखन में यहां-वहां बहुधा करते ही रहते थे। बहुपत्नी प्रथा को वे इस्लामिक महिलाओं के विकास व स्वतंत्रता की एक महत्वपूर्ण व बड़ी बाधा मानते थे। उनकी मान्यता थी कि - परिवार में बहुपत्नी या सौत होने से इस्लामिक महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति एकदम सुप्त व उदासीन हो जाती हैं। यदि वह परिवार में एक ही पत्नी है तो भी, कभी भी शौहर द्वारा कभी भी दुसरी बीबी ले आने का भय उसकी मानसिकता को अस्वस्थ किए रहता है व परिवार में एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण नहीं होने देता है। शौहर की अधिक बीबियाँ होने या ले आने के सामर्थ्य का भाव समूचे परिवार में एक अवसाद, परस्पर वैमनस्यता, अवसरवादिता का वातावरण सदैव बनाए रखता है। इस स्थिति में परिवार भाव तो संपूर्णत: समाप्त हो जाता है ; हाँ, परस्पर वैमनस्यता का या भय का भाव सदैव सभी में बना रहता है।

बाबासाहेब ने अपने अध्ययन से इस्लाम के मनोविज्ञान को समझकर ही यह निर्णय लिया था कि इस देश में दो क़ानून नहीं होना चाहिए। फलस्वरूप वे संविधान निर्माण सभा की बैठकों में सदैव मुस्लिम समुदाय के लिए यही बात रखते रहे कि देश में सभी के लिए एक समान क़ानून होना चाहिए।

भीम मीम के जो कुत्सित प्रयोग वर्तमान मे राष्ट्र विरोध की दिशा मे किए जा रहे हैं, अच्छा हो वे लोग इसे छोड़कर भीम मीम को इस सार्थक चिंतन की ओर परिवर्तित करें। इससे बाबा साहेब का चिंतन फलीभूत होगा और समाज की दिशा भी बदलेगी।

सार-समाचार

खंडवा में अप्रैल में होगा पंचकल्याणक महोत्सव

अनोखा तीर, खंडवा। दादाजी की नगरी खंडवा में बजरंग चौक स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में 11 से 17 अप्रैल तक जैन समाज का भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर समाजजनों की बैठक जैन मंदिर में आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव जैन धर्म का प्रमुख

आध्यात्मिक आयोजन है, जो नवनिर्मित मंदिर में भगवान की प्रतिमा प्रतिष्ठा के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में तीर्थंकर के जीवन की पांच कल्याणकारी घटनाओं गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष को पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से स्मरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि पंचकल्याणक संगमरमर, पाषाण या धातु की प्रतिमा को भगवान के स्वरूप में प्रतिष्ठित करने की धार्मिक प्रक्रिया है। यह आयोजन मुनि आदित्यसागर के सानिध्य में संपन्न होगा। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में कार्ययोजना तैयार कर विभिन्न समितियों का गठन किया गया। समाज अध्यक्ष दिलीप पहाड़िया ने सभी समाजजनों से महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर वीरेंद्र जैन, विजय सेठी और पंकज छाबड़ा ने भी आयोजन को सफल बनाने का विश्वास व्यक्त किया। बैठक का संचालन प्रदीप जैन छाबड़ा ने किया तथा आभार सुनील जैन ने माना।

भैसावा में दादा गुरु की परिक्रमा में शामिल हुईं विधायक

अनोखा तीर, खंडवा। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भैसावा में आयोजित दादा गुरु की मां नर्मदा सेवा परिक्रमा में खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे शामिल हुईं और दादा गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील

जैन ने बताया कि मां नर्मदा, धर्म, धरा, धेनु, प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के संदेश के साथ अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरु वर्षों से निराहार रहकर मां नर्मदा की सेवा और परिक्रमा कर रहे हैं। वे केवल मां नर्मदा के जल के सहारे तपस्या करते हुए जनमानस को प्रकृति संरक्षण और सेवा का संदेश दे रहे हैं। इस अवसर पर विधायक कंचन मुकेश तनवे ने कहा कि दादा गुरु का आशीर्वाद और मार्गदर्शन समाज को सेवा, संस्कार और प्रकृति संरक्षण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने दादा गुरु का स्वागत कर उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में राजपाल सिंह चौहान, देवेंद्र यादव, हरीश सेन, सुनील जैन, ज्ञानसिंह सावनेर, हरिओम भाई, महेश सेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अनाथ बच्चों की मां बनीं दीपमाला विधाणी

अनोखा तीर, खंडवा। मातृत्व केवल जन्म देने तक सीमित नहीं होता, बल्कि किसी नन्हीं जिंदगी को स्नेह, सुरक्षा और भविष्य देना भी सच्चा मातृत्व है। खंडवा में संस्था संचालक दीपमाला विधाणी ने अनाथ, परित्यक्त और बेसहारा बच्चों के पालन–पोषण का जिम्मा लेकर इसी मातृत्व की मिसाल पेश की है। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि सहज समागम फाउंडेशन

के माध्यम से संचालित किलकारी शिशु गृह और विशेष दत्तक ग्रहण केंद्र वर्षों से ऐसे बच्चों के लिए आश्रय बना हुआ है जिन्हें जीवन की शुरुआत में ही परिवार का सहारा नहीं मिला। यहां एक दिन के नवजात से लेकर लगभग छह वर्ष तक के बच्चों को सुरक्षित आश्रय, पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और पारिवारिक वातावरण दिया जाता है। दीपमाला विधाणी ने अपने संसाधनों और संकल्प के बल पर इस संस्था की शुरुआत की और शासकीय नियमों के अनुसार इसे विकसित किया। यहां कई ऐसे शिशु भी पहुंचे जो कम वजन, समय से पहले जन्म या कुपोषण की स्थिति में थे। संस्था में विशेष देखभाल और उपचार से इन बच्चों को स्वस्थ किया गया। अब तक इस केंद्र के माध्यम से लगभग 50 से अधिक बच्चों को नया परिवार मिल चुका है। दत्तक ग्रहण की पूरी प्रक्रिया शासकीय नियमों और केंद्रीय दत्तक संसाधन प्राधिकरण के दिशा–निर्देशों के अनुसार पूरी की जाती है। कई बच्चों को मध्यप्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों और विदेशों में रहने वाले भारतीय परिवारों ने भी अपनाया है। दीपमाला विधाणी का कहना है कि हर बच्चे को परिवार और स्नेह का अधिकार मिलना चाहिए। यदि समाज और प्रशासन मिलकर प्रयास करें तो कोई भी बच्चा असहाय नहीं रहेगा और हर नन्हीं जिंदगी को सुरक्षित भविष्य मिल सकेगा।

खंडवा की अंजनी मिश्रा बनी भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी

अनोखा तीर, खंडवा। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में खंडवा की बेटी अंजनी मिश्रा ने पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त कर 274वीं रैंक हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और शहर में खुशी का माहौल है तथा उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं।

जवाहरगंज निवासी अजय मिश्रा की 25 वर्षीय बेटी अंजनी मिश्रा वर्तमान में मुंबई की एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी में चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अवकाश लेकर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी की और पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि अंजनी की सफलता उनके संकल्प, मेहनत और प्रतिभा का परिणाम है। सीमित समय में निरंतर अध्ययन कर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की, जो युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। अंजनी प्रतिष्ठित स्वर्गीय गंगाचरण मिश्रा के परिवार से संबंध रखती हैं, जो खंडवा के पूर्व विधायक रहे हैं। उनके पिता अजय मिश्रा लोकायुक्त पुलिस भोपाल में पदस्थ हैं। अंजनी की सफलता पर शहर के कई लोगों ने हर्ष व्यक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

निमाड़ में बढ़ती गर्मी के बीच गौवंश के लिए सराहनीय पहल

घर-घर पहुंचाए जा रहे पानी के कुंड

अनोखा तीर, खरगोन।

निमाड़ अंचल में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। ऐसे में जहां इंसानों के साथ- साथ पशु- पक्षियों को भी पानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ता है, वहीं खरगोन में गौसेवा की एक सराहनीय पहल सामने आई है। शिवसेना से जुड़े समाजसेवी राजू शर्मा द्वारा गाय माता के लिए पीने के पानी के कुंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे गर्मी के मौसम में गौवंश को राहत मिल सके। राजू शर्मा द्वारा मात्र 1150 रुपए के नाम मात्र शुल्क पर मजबूत और कलर किया हुआ पानी का कुंड उपलब्ध कराया जा रहा है। खास बात यह है कि यह कुंड घर पहुंच सेवा के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे गौसेवा करने वाले लोगों को कुंड लाने-ले जाने की परेशानी नहीं उठानी पड़ती। यह पहल खासतौर पर उन लोगों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है जो अपने घर, मोहल्ले या चौराहों पर गायों के लिए पानी की व्यवस्था करना चाहते हैं।

राजू शर्मा ने बताया कि निमाड़ क्षेत्र में गर्मी के दिनों में तापमान काफी अधिक हो जाता है, जिसके कारण सड़कों और बस्तियों में घूमने वाले गौवंश को पानी के लिए भटकना पड़ता है। कई बार पानी की कमी के कारण पशु परेशान हो जाते हैं। इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने लोगों को कम कीमत में पानी के कुंड उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है ताकि अधिक से अधिक स्थानों पर गायों के लिए पानी रखा जा सके।उन्होंने बताया कि यदि हर मोहल्ले, मंदिर परिसर, घर के सामने या चौराहों पर पानी का कुंड रखा जाए तो बड़ी संख्या में गायों और अन्य पशुओं को पानी मिल सकता है। इस सोच के साथ लोग भी इस पहल से जुड़ रहे हैं और अपने घरों व आसपास के क्षेत्रों में पानी के कुंड रखकर गौसेवा कर रहे हैं। स्थानीय गौसेवकों और नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना की है। उनका कहना है कि निमाड़ की भीषण गर्मी में इस प्रकार की छोटी-छोटी पहल भी पशुओं के लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। समाज के अन्य लोगों को भी आगे आकर पशु- पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि गर्मी के इस मौसम में किसी भी जीव को प्यासा न रहना पड़े। गौरतलब है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में पानी की कमी के कारण पशु-पक्षियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में समाजसेवी राजू शर्मा की यह पहल न केवल गौसेवा का उदाहरण बन रही है, बल्कि लोगों को भी पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश दे रही।

रंग पंचमी पर आज निकलेगी श्री दादाजी फाग यात्रा

अनोखा तीर, खंडवा। रंग पंचमी के अवसर पर रविवार को शहर में सामाजिक समरसता के भाव के साथ भव्य श्री दादाजी फाग यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में फूलों के रंग, गुलाल और पानी की बौछार के साथ शहर का मुख्य क्षेत्र इंद्रधनुषी रंगों से सराबोर रहेगा। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि फाग यात्रा के आयोजन के लिए श्री दादाजी फाग यात्रा उत्सव समिति का गठन किया गया है। समिति में अखिलेश गुप्ता को अध्यक्ष, मदन भाऊ ठाकरे को सचिव और ईश्वर डिंडोरे को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। यह आयोजन श्री दादाजी उत्सव समिति, हिंदू उत्सव समिति और सकल हिंदू समाज के सहयोग से किया जा रहा है। अखिलेश गुप्ता ने बताया कि यात्रा में राधा कृष्ण की झांकी, आदिवासी नृत्य की टोली, भजन मंडली, ढोल बाजे और साउंड के साथ तोप के माध्यम से लगभग 10 कुंटल रंग गुलाल और फूलों की वर्षा की जाएगी। पानी के टैंकरों से फव्वारों द्वारा पानी की बौछार भी की जाएगी। रविवार सुबह 10 बजे फाग यात्रा नगर निगम परिसर से प्रारंभ होकर टाउन हॉल, घंटाघर, मुंबई बाजार, केवलराम पेट्रोल पंप चौराहा और दूधवाली गली होते हुए पार्वती बाई धर्मशाला पहुंचेगी, जहां समापन होगा। यात्रा में काका बाबा ना पोरिया गीत गाने वाले गायक आनंदीलाल भावेल भी अपनी मंडली के साथ शामिल होकर होली के गीतों की प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने शहरवासियों से फाग यात्रा में शामिल होकर रंगों के इस उत्सव को उत्साह और उमंग के साथ मनाने का आग्रह किया है।

सराफा व्यवसायी ने जन्म दिवस पर डायलिसिस हेतु दी राशि

-भारत विकास परिषद शाखा की पहल से जरूरतमंद किडनी रोगियों को मिल रही अब राहत

अनोखा तीर, बड़वाह। नगर ही नहीं अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई डायलिसिस पेशंट हैं, जिनमें किसी मरीज को महीने में तो किसी को सप्ताह में डायलिसिस करवाने अन्य क्षेत्रों में जाना होता है। लेकिन आज इस इलाज में खर्च होने वाली राशि और अन्य खर्च की बात करे,तो काफी महंगा पड़ता है। ऐसी स्थिति में कई मध्यमवर्गीय परिवार इस खर्चे से परेशान भी हैं। लेकिन अब क्षेत्र के ऐसे किडनी रोगियों को भारत विकास परिषद शाखा द्वारा प्रदत्त डायलिसिस यूनिट से बड़ी राहत मिल रही है। हालांकि जिन्हें इन्दौर तक की दौड़ के बाद जो डायलिसिस की सुविधा मिल रही थी, वह अब बडवाह में ही मिलने से मरीज़ों के समय और धन की बचत भी हो रही है। भारत विकास परिषद द्वारा आर्थिक रूप से वास्तविक कमजोर मरीज़ों के लिये निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा का लाभ भी लगातार ज़रूरतमंद मरीज़ों को मिल रहा है। क्षेत्र के दानदाता भी लगातार इस सेवा कार्य में सहभागी बनने के लिये स्वप्रेरणा से आगे आ रहे है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को नगर के सराफा व्यापारी एवं समाजसेवी संजय सोनी ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद को डायलिसिस हेतु 11 हजार रुपए की राशि भेट की। संजय सोनी ने श्री साईं हॉस्पिटल जाकर अपनी सेवा भावना और समर्पण राशि प्रकट करते हुए कहा कि डायलिसिस की यह सुविधा बड़वाह के लिए महत्वपूर्ण सेवा है। आपने कहा कि मेरे जन्मदिन पर इससे बड़ी सेवा का लाभ मुझे और कहीं नहीं मिल सकता था । यह सेवा न केवल मानवता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सही हाथों में भी है। इसलिए हम सबको इस पुनीत सेवा में सहयोग करना कि आवश्यकता है। भारत विकास परिषद के सदस्यों ने श्री सोनी का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि बडवाह में गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस करने के लिये यहाँ पर मरीज़ की हर डायलिसिस के बाद डायलिजर किट को बदलकर नया किट प्रयोग किया जाता है। यह महंगा जरूर है किन्तु नगर के समाजसेवियों और सेवाभावी लोगों के सहयोग से यह कार्य निरंतर जारी रहेगा।

मोतियाबिंद जांच के लिए 9 मार्च से निशुल्क शिविर

अनोखा तीर, खंडवा।

मोतियाबिंद रोग की जांच और मरीजों के निशुल्क उपचार के लिए इंदौर के चोइथराम फाउंडेशन ट्रस्ट और शंकरा आई सेंटर द्वारा जिले में निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में मरीजों की जांच कर पात्र मरीजों का चयन कर निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि चोइथराम फाउंडेशन ट्रस्ट इंदौर द्वारा 9 मार्च को हरसूद और किल्लौद, 11 मार्च को पंधाना और खंडवा विजन सेंटर, 12 मार्च को मूंदी और छैगांवमाखन, 13 मार्च को पुनासा, 16 मार्च को सिंगोट और जसवाड़ी, 25 मार्च को बोरगांव बुजुर्ग और बगमार तथा 26 मार्च को खालवा, खारकलां और खंडवा विजन सेंटर में शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शंकरा आई सेंटर इंदौर द्वारा 10 मार्च को धनगांव और ओंकारेश्वर, 11 मार्च को सुंदरदेव और ढाकना, 16 मार्च को हरसूद और खालवा, 17 मार्च को सरमेश्वर और गुड़ी, 19 मार्च को पटाजन और जलकुआं, 20 मार्च को जामधड़ और सराय, 23 मार्च को छैगांवमाखन और पंधाना, 24 मार्च को पांगरा और भगवानपुरा, 25 मार्च को मांदला और झिरनिया, 26 मार्च को पुनासा और मूंदी तथा 30 मार्च को जावर और सिहाड़ा में शिविर आयोजित किए जाएंगे। डॉ. जुगतावत ने मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों से अपील की है कि वे इन शिविरों में पहुंचकर अपनी आंखों की निशुल्क जांच अवश्य करवाएं।

15 मार्च से नहर में पानी छोड़ने की मांग

किसानों की सिंचाई समस्या को लेकर कलेक्टर को लिखा पत्र

अनोखा तीर, खंडवा। जिले के किल्लौद क्षेत्र के किसानों की सिंचाई समस्या को लेकर किसान कांग्रेस नेता गजेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 15 मार्च से नहर में पानी छोड़ने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया कि किल्लौद क्षेत्र में गेहूं की कटाई का कार्य अंतिम चरण में है और किसान अब ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी में जुट गए हैं। आने वाले लगभग 15 दिनों में पूरे क्षेत्र में मूंग की बोनी का कार्य पूर्ण हो जाएगा, ऐसे में फसल की सिंचाई के लिए समय पर पानी उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि किल्लौद उद्वहन सिंचाई योजना के अंतर्गत नहरों में 15 मार्च से पानी छोड़ा जाना किसानों के हित में जरूरी है। किसानों द्वारा लगातार समय पर राजस्व का भुगतान किया जा रहा है, इसके बावजूद यदि पानी की कमी के कारण फसल को नुकसान होता है तो यह किसानों के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। साथ ही बताया गया कि पिछले वर्ष भी नहर संचालन में देरी और तकनीकी कारणों के चलते किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। इस वर्ष किसान चाहते हैं कि प्रशासन समय रहते सक्रियता दिखाए, ताकि फसल समय पर पककर तैयार हो सके और किसानों को आर्थिक रूप से लाभ मिल सके। किसान नेता गजेन्द्र सिंह सोलंकी ने प्रशासन से आग्रह किया है कि किसान हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर 15 मार्च से नहर चालू करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस दिशा में शीघ्र और सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र के किसान एकजुट होकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन की प्रतिलिपि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) किल्लौद को भी प्रेषित की गई है।

गजेन्द्र सिंह सोलंकी
महा सचिव मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी
जिला महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण खंडवा
जिला अध्यक्ष इंदिरा ज्योति सम्यक अभियान
जिला खंडवा मध्यप्रदेश

निवास:- बडनगर रैय्यत तह पुनासा
जिला खंडवा म.प्र. 450551
संपर्क:- 9977754333

स.क्र. 07/26 दिनांक – 07/03/2026

प्रति,
श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय,
जिला - खंडवा पूर्व निमाड, मध्य प्रदेश।
विषय: किल्लौद ब्लॉक में मूंग फसल की सिंचाई हेतु 15 मार्च से नहर का पानी छोड़े जाने बाबत।

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि किल्लौद ब्लॉक में गेहूं की कटाई का कार्य अब अपने अंतिम चरण में है और क्षेत्र के किसानों ने ग्रीष्मकालीन मूंग की बोनी का कार्य तत्परता से प्रारंभ कर दिया है। आने वाले 15 दिनों के भीतर संपूर्ण क्षेत्र में बोनी का कार्य पूर्ण हो जाएगा, जिसके लिए समय पर सिंचाई की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। अतः आपसे विशेष आग्रह है कि किल्लौद उद्वहन सिंचाई योजना के माध्यम से नहरों में पानी छोड़ने की प्रक्रिया आगामी 15 मार्च से अनिवार्य रूप से प्रारंभ की जाए।
विदित हो कि क्षेत्र के किसानों द्वारा निरंतर राजस्व का समय पर भुगतान किया जा रहा है, ऐसी स्थिति में पानी की कमी के कारण किसी भी किसान की फसल का सूखना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण होगा। पिछले वर्ष भी नहर संचालन में हुई देरी और लेटलतीफी के कारण किसानों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा था। इस वर्ष हम चाहते हैं कि प्रशासन समय रहते सक्रियता दिखाए ताकि किसानों की फसल समय पर पककर तैयार हो सके और वे आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें।
अतः आपसे अनुरोध है कि किसान हित को सर्वोपरि रखते हुए 15 मार्च से नहर चालू करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने का कष्ट करें। यदि प्रशासन द्वारा इस दिशा में त्वरित और सकारात्मक कार्यवाही नहीं की जाती है, तो क्षेत्र के समस्त किसानों के साथ मिलकर हम हर स्तर पर लड़ाई लड़ने और उग्र प्रदर्शन करने हेतु बाध्य होंगे।
सादर धन्यवाद।

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु:

मुख्य अभियंता, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (NVDA), मध्य प्रदेश।
कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन विभाग (WRD), [संबंधित संभाग/जिला]।
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसील - किल्लौद।

भवदीय
गजेन्द्र सिंह सोलंकी
(बड़नगर)

पावागिरी में आज महामस्तकाभिषेक और शोभायात्रा

अनोखा तीर, खंडवा। निमाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र पावागिरी ऊन में होली उत्सव के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक मेले का रविवार को समापन होगा। समापन अवसर पर पहाड़ मंदिर में महामस्तकाभिषेक किया जाएगा तथा भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। मेले के दौरान आयोजित प्रवचनों में आचार्य कुमुद नंदी ने कहा कि जीवन में पांच सूत्र अपनाने से जीवन सफल बनता है। जो मिला उसे खुशी से स्वीकार करें, कम बोलें और काम का बोलें, हर कार्य विवेक से करें तथा किसी की निंदा या बुराई न देखें। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति में समझदारी, जवाबदारी, ईमानदारी और वफादारी नहीं होती, वह इंसान कहलाने के योग्य नहीं है। आचार्य विपणत सागर ने प्रवचन में कहा कि व्यक्ति को जहां भी धर्म करने का सौभाग्य मिले, उसे नहीं छोड़ना चाहिए। अनेक लोगों को अनुकूलता होने पर भी धर्म कार्य का अवसर नहीं मिल पाता। अरिहंत कीर्ति भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी ने भी श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संयम का महत्व बताया। पावागिरी ऊन के ट्रस्टी संजय

बड़ूद और मनीष दोषी ने बताया कि शनिवार को नित्य अभिषेक पूजन के बाद नव देवता मंडल विधान का आयोजन भक्ति भाव से हुआ। नवनिर्मित सहस्त्रकूट जिनालय में रत्नमयी प्रतिमाओं के विराजमान होने का कार्य भी दिनभर चलता रहा। बाल ब्रह्मचारी अक्षय भैया और पंडित नितिन झंझरी के निर्देशन में श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ प्रतिमाएं विराजमान कीं। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि शाम को आरती, भक्ति और प्रवचन के बाद कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न कवियों ने हास्य कविताओं के माध्यम से श्रद्धालुओं का मनोरंजन किया। महोत्सव के अंतिम दिन रंग पंचमी पर नित्य अभिषेक, मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन और अतिथियों के सम्मान के बाद भगवान की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके पश्चात पहाड़ मंदिर में शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरहनाथ और महावीर स्वामी सहित अन्य प्रतिमाओं पर महामस्तकाभिषेक संपन्न होगा तथा सहस्त्रकूट जिनालय में शेष प्रतिमाओं को विराजमान किया जाएगा।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत गांवों में आज शिविर

अनोखा तीर, खंडवा। नागरिकों को उनकी पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 8 मार्च को सुंदरदेव और सांवलीखेड़ा में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएगा। नगरीय क्षेत्र में मूंदी में 9 मार्च, पंधाना में 10 मार्च, छनेरा में 11 मार्च, ओंकारेश्वर में 12 मार्च तथा पुनासा में 13 मार्च को शिविर आयोजित किए जाएंगे। खंडवा नगर क्षेत्र में 14 से 16 मार्च तक विभिन्न वार्डों के लिए अलग-अलग स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में वार्डों के नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। सभी शिविर प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होंगे।

संकल्प से समाधान अभियान में 81 हजार से अधिक आवेदन स्वीकृत

अनोखा तीर, खंडवा। नागरिकों को उनकी पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में शिविर लगाकर नागरिकों से योजनाओं का लाभ लेने संबंधी आवेदन लिए जा रहे हैं और उनका मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि अब तक आयोजित शिविरों में योजनाओं का लाभ लेने के लिए कुल 92 हजार 422 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें ग्रामीण क्षेत्र के 71 हजार 710 और नगरीय क्षेत्र के 20 हजार 712 आवेदन शामिल हैं।

जिले में 101 बालिकाओं को एचपीवी के टीके लगे

अनोखा तीर, खंडवा।

महिलाओं को गर्भाशय मुख कैंसर से बचाव के उद्देश्य से जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी है। इस अभियान के तहत 14 वर्ष पूर्ण और

15 वर्ष से कम आयु की किशोरियों को एचपीवी के टीके लगाए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को निकटतम टीकाकरण केंद्र पर ले जाकर टीका अवश्य लगवाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि शनिवार को जिला चिकित्सालय खंडवा सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंधाना, सिंगोट, मूंदी, पुनासा, खालवा, छैगांवमाखन, किल्लौद, ओंकारेश्वर, हरसूद और जावर में बनाए गए केंद्रों पर कुल 101 किशोरी बालिकाओं को टीके लगाए गए।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक कुल 246 बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया जा चुका है। टीकाकरण के लिए यूविन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन भी कराया जा सकता है।

सार-समाचार

महिला दिवस पर प्राचार्य सुधा सलोमन का सम्मान

अनोखा तीर, बुधनी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर योद्धा फाउंडेशन मध्यप्रदेश की ओर से शासकीय सांदीपनी उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय बुधनी की प्राचार्य श्रीमति सुधा सलोमन का सम्मान किया गया। शिक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्य और योगदान के लिए संस्था की टीम ने

उन्हें पुष्पमाला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सुरेंद्र जामलिया, महेश प्रसाद दायमा, विजय गौर, स्वेता पाठक, अंकित तिवारी, शैलेन्द्र कुमार, सोनू बेग सहित विद्यालय का स्टाफ और संस्था के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं के योगदान के सम्मान और प्रोत्साहन पर जोर दिया।

सांदीपनि विद्यालय बुधनी में वार्षिक परीक्षाएं शांतिपूर्ण संपन्न

अनोखा तीर, बुधनी। स्थानीय सांदीपनि विद्यालय बुधनी में आयोजित वार्षिक बोर्ड परीक्षाएं शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हो गईं। परीक्षा समाप्ति के अवसर पर विद्यालय में आभार सभा आयोजित कर परीक्षा ड्यूटी में लगे शिक्षकों और कर्मचारियों का सम्मान किया गया। केंद्र अध्यक्ष महेश प्रसाद दायमा ने कहा कि परीक्षाओं का सुचारू

संचालन शिक्षकों की सजगता, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने परीक्षा की गोपनीयता और शुचिता बनाए रखने में सभी की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और गर्मी के बावजूद सभी शिक्षकों ने समयबद्धता और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। यह पूरे विद्यालय स्टाफ के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। इस अवसर पर सहायक केंद्र अध्यक्ष देवकरण पैरवाल तथा प्राचार्य सुधा सलोमन सहित सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया। सभा के अंत में सभी को उनके सहयोग और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य के लिए धन्यवाद दिया गया।

शोभा इंटरनेशनल स्कूल में महिला दिवस मनाया

अनोखा तीर, बुधनी। नगर के निजी शैक्षणिक संस्थान श्री शोभा इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय महिलाओं का सम्मान कर उनके समाज में योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम की

शुरुआत प्राचार्या प्रीति प्रवाह द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने से हुई। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। साथ ही महिला सशक्तिकरण और समानता विषय पर जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिवानी यादव, रजनी हरदयाल सिंह आजाद, संगीता शर्मा, अलका देशमुख और नमिता तिवारी अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं की समाज में भूमिका, अधिकारों और सशक्तिकरण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला शिक्षकों और कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या प्रीति प्रवाह ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

युवा संसद प्रतिभागियों का महाविद्यालय में सम्मान

अनोखा तीर, माखन नगर। श्री माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय माखननगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा संसद में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. नीता चौबे के निर्देशन में संपन्न हुआ। जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता शासकीय कुसुम महाविद्यालय शिवनी मालवा में आयोजित हुई थी, जिसमें महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर स्वयंसेवक अनुभव

तिवारी का भोपाल विधानसभा युवा संसद प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर सम्मान किया गया। प्राचार्य ने इसे महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में स्वास्तिक रावत और पवन प्रजापति का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रो. आई. एस. कनेश, अजय मेहरा, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. सुमन अवस्थी, डॉ. कविता दुबे, डॉ. क्षमा मेहरा, डॉ. आकांक्षा यादव, प्रो. पंकज बैरवा और प्रो. सुषमा यादव उपस्थित रहे। सभी प्राध्यापकों ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए अनुभव तिवारी को संभाग स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह चौहान ने किया तथा आभार प्रो. शिवानी मालवीय ने व्यक्त किया।

डोलरिया में निर्माणाधीन उप स्वास्थ्य केंद्र का सांसद ने किया औचक निरीक्षण

निर्माण कार्य में अनियमितता की आशंका पर जांच के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की चेतावनी

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

सिवनी मालवा क्षेत्र के डोलरिया में बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में संभावित अनियमितताएं सामने आने पर सांसद ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सांसद ने कहा कि सरकार की मंशा है कि सभी विकास कार्य पूरी पारदर्शिता और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य मजबूत और टिकाऊ होना चाहिए, ताकि आने वाले वर्षों तक आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस दौरान विधायक प्रेमशंकर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य अजीत मंडलोई, नगर पालिका अध्यक्ष रिंकू जैन, योगेंद्र राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

रंगपंचमी पर आज निकलेगा पारंपरिक चल समारोह

अनोखा तीर, बुधनी। नगर में रंगपंचमी के अवसर पर रविवार को प्रातः 10 बजे पारंपरिक चल समारोह निकाला जाएगा। यह चल समारोह प्राचीन खेड़ापति हनुमान मंदिर, वार्ड क्रमांक 06 से प्रारंभ होकर वार्ड क्रमांक 03 स्थित माता मंदिर तक पहुंचेगा। आयोजन के दौरान गाजे-बाजे और साउंड के साथ उत्साहपूर्वक रंगोत्सव मनाया जाएगा। चल समारोह में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल होकर रंगपंचमी का पर्व हर्षोल्लास और भाईचारे के साथ मनाएंगे। सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नगर के नागरिकों, युवाओं और मातृशक्ति से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। आयोजकों ने सभी से प्रेम, सौहार्द और उल्लास के साथ रंगपंचमी का पर्व मनाने का आग्रह किया है।

होटल में खाना परोसते समय गिरे संचालक, साइलेंट हार्ट अटैक से मौत

अचानक तबीयत बिगड़ी, भाई ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की लेकिन नहीं बच सकी जान

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। नगर में एक होटल संचालक की साइलेंट हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वे होटल में ग्राहकों को खाना परोस रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वे जमीन पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें संभालने की कोशिश की। उनके भाई ने तुरंत सीपीआर देकर उनकी जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से होटल में मौजूद लोगों और परिजनों में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि साइलेंट हार्ट अटैक के कारण यह घटना हुई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दो चिकित्सक, एक छुट्टी पर, तो दूसरे की ड्यूटी बोर्ड परीक्षा में

अनोखा तीर, मसनगांव।

ग्राम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ की कमी के कारण मरीजों को पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। भले ही स्वास्थ्य केंद्र को नया भवन मिल गया है, लेकिन पर्याप्त स्टाफ न होने से मरीजों का इलाज प्रभावित हो रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एलोपैथिक चिकित्सक के रूप में डॉ. अखिल बिश्नोई पदस्थ हैं, लेकिन वे छुट्टी पर हैं। वहीं दूसरे आयुष चिकित्सक के रूप में मनीष गौर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी ड्यूटी बोर्ड परीक्षा में लगा दी गई है, जिससे स्वास्थ्य केंद्र की जिम्मेदारी एक ठेकेदार के कर्मचारी के भरोसे चल रही है।

यहां पदस्थ स्टाफ नर्स भी छह महीने की मेटरनिटी लीव पर गई हुई हैं, जिससे स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। एक समय स्वास्थ्य केंद्र में 35 से 40 मरीज रोजाना पहुंचते थे, लेकिन नए भवन में स्वास्थ्य केंद्र स्थानांतरित होने के बाद पर्याप्त स्टाफ न होने से ग्रामीणों को सवा करोड़ की लागत से बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लाभ नहीं मिल रहा है। भवन के हिसाब से स्वास्थ्य केंद्र में नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता बनी हुई है। यहां एएनएम,

फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, कंपाउंडर, वार्ड बॉय तथा महिला चिकित्सक की भी आवश्यकता बताई जा रही है।

भवन के हिसाब से नहीं है सुविधा – ग्राम में बनाए गए नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को भर्ती करने की सुविधा दी गई है, लेकिन इमरजेंसी की स्थिति में ऑक्सीजन की सुविधा नहीं होने से मरीजों को भर्ती करना संभव नहीं हो पाता। वहीं लैब टेक्नीशियन की कमी के कारण रक्त जांच की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को जिला अस्पताल ले जाकर इलाज कराना पड़ रहा है। ग्राम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में यदि व्यवस्थित रूप से सभी प्रकार की सुविधाएं मिलें तो आसपास के 10 गांवों के मरीजों को इसका लाभ मिल सकता है।

इसके लिए स्थायी रूप से एएनएम, महिला चिकित्सक और स्टाफ नर्स की नियुक्ति शासन द्वारा किए जाने की मांग की जा रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को प्रसूति सहित अन्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकें। ग्रामीणों के अनुसार अभी तक स्वास्थ्य केंद्र में सर्दी, जुकाम, बुखार, शुगर, बीपी, खांसी जैसी हल्की बीमारियों के लिए लोग इलाज कराने पहुंचते हैं। यहां एलोपैथी के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सक की नियुक्ति होने से कई मरीजों को इसका लाभ भी मिल रहा है, लेकिन गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल या निजी चिकित्सक के पास ले जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्तर का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन बनाया गया है, उसके अनुसार सभी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होनी चाहिए। ग्रामीण स्तर पर यदि स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों की नियुक्ति और पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराया जाए तो आसपास के 10 गांवों के लोगों को इसका लाभ मिल सकता है।

गणेश मुकाती पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भाजपा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति जरूरी है। सीएमएचओ जिला हरदा डॉ. एच. पी. सिंह ने बताया कि डॉ. अखिल छुट्टी पर होने से सिराली में पदस्थ चिकित्सक डॉ. राजेंद्र ओंनकर को जिम्मेदारी दी गई है। स्टाफ नर्स और कंपाउंडर की नियुक्ति की मांग की गई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन के लोकार्पण के लिए भी लिखा गया है तथा जल्द ही ग्राउंड में पेवर ब्लॉक लगाकर दलदल को दूर किया जाएगा।

घर में घुसकर चोरी करने वाले दो मामलों का खुलासा, चोरी का सामान बरामद

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। कोतवाली थाना पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने की दो घटनाओं का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जितेंद्र पाठक के निर्देशन में की गई। पुलिस टीम लगातार संपत्ति संबंधी अपराधों के खुलासे में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार 28 जनवरी 2026 को अकबर अली निवासी मेनबोर्ड चौराहा, नर्मदापुरम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मस्जिद में घुसकर साउंड मशीन, दो माइक और स्टैंड, गैस टंकी, आरओ मशीन तथा अन्य बर्तन सहित लगभग 40 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान 6 मार्च की रात आरोपी इमरान खान निवासी मटन मार्केट, बंगाली कॉलोनी नर्मदापुरम को गिरफ्तार कर उसके घर से चोरी गया सामान बरामद किया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। इसी प्रकार 2 फरवरी 2026 को रश्मि देशमुख निवासी कमिश्नर कॉलोनी, नर्मदापुरम ने अपने शासकीय आवास से नल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मुखबिर तंत्र की मदद से एक अपचारी को पकड़कर उसके कब्जे से चोरी गया सामान बरामद किया। अपचारी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे संप्रेक्षण गृह बैतूल भेज दिया गया। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

महिलाएं करुणा, शक्ति और बलिदान की प्रतिमूर्ति : न्यायाधीश

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आईटी सेंटर महिला एवं बाल विकास कार्यालय में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश श्रीमति तबस्सुम खान ने महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी। न्यायाधीश श्रीमति तबस्सुम खान ने कहा कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे करुणा, शक्ति और बलिदान की प्रतिमूर्ति हैं। हमारे देश का इतिहास महिलाओं के साहस और त्याग से भरा हुआ है। उन्होंने पन्ना धाय, रानी लक्ष्मीबाई और अहिल्याबाई के उदाहरण देते हुए महिलाओं के योगदान को याद किया। उन्होंने बताया कि कानून में महिलाओं को कई अधिकार दिए गए हैं और बालिकाओं को अच्छे और बुरे स्पर्श की जानकारी होना आवश्यक है। यदि किसी प्रकार की अनुचित घटना होती है तो उसे अभिभावकों और शिक्षकों को बताना चाहिए, क्योंकि कानून उनके साथ है। शिविर में उन्होंने बालिकाओं के अधिकार, महिला कानून, लैंगिक समानता, यौन अपराध, शोषण, भ्रूण हत्या और पास्को कानून से संबंधित जानकारी दी। साथ ही बताया कि 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आपसी सहमति से न्यायालय में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जा सकता है। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीमति शकुंतला गौर ने भी महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा तथा शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बालिकाएं और महिलाएं उपस्थित रहीं।

महाविद्यालय में मातृशक्ति समागम और बाल विवाह विरोध कार्यक्रम

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बाल विवाह के विरुद्ध जनजागरूकता के लिए चलाए गए 100 दिवसीय अभियान के समापन अवसर पर मातृशक्ति समागम और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य और अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार रघुवंशी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है, जो बच्चों के अधिकारों का हनन करती है और उन्हें शोषण तथा हिंसा के खतरे में डालती है। इसका सबसे अधिक प्रभाव बालिकाओं पर पड़ता है, इसलिए समाज को मिलकर इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। कार्यक्रम में मालती गौर ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकार, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए बड़ा खतरा है। शिक्षा और सशक्तिकरण ही इसका समाधान है। महिला एवं बाल विकास अधिकारी शकुंतला गौर ने बताया कि यह प्रथा बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में बाधा बनती है तथा 18 वर्ष से कम आयु में विवाह करना कानूनन अपराध है। संगीता यादव ने बाल विवाह प्रतिषेध कानून की जानकारी देते हुए बताया कि इससे कम उम्र में विवाह करने पर कठोर कारावास और जुर्माने का प्रावधान है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेखा पटेल ने किया। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मातृशक्ति समागम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं का पुष्पगुच्छ और सम्मान चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। शिक्षाविद हंसा व्यास, इंदिरा मंडलोई, अलका बाजपेई और प्रभा रघुवंशी ने महिलाओं की भूमिका और सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले और सिवनी मालवा क्षेत्र की विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 50 से अधिक महिलाओं का सम्मान किया गया।

परशुराम प्राकट्योत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक

अनोखा तीर, इटारसी। भगवान परशुराम के प्राकट्योत्सव की तैयारियों को लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में शक्ति नगर स्थित बूढ़ी माता मंदिर क्षेत्र में समाजजनों की बैठक आयोजित कर जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष जितेंद्र ओझा, कार्यकारी अध्यक्ष पवन शुक्ला, समाजसेवी अरविंद व्यास, परशुराम सेना जिलाध्यक्ष प्रकाश दुबे, उपाध्यक्ष शैलेंद्र दुबे, नवीन दुबे, सूर्य प्रकाश मिश्रा, योगेश शुक्ला, सुरेंद्र शर्मा, कान्हा शर्मा, उदित व्यास, यश शर्मा और अमन द्विवेदी सहित अन्य विप्रजन उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में इसी क्षेत्र की अगली बैठक शक्ति नगर पार्क में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्राकट्योत्सव के आयोजन को लेकर विस्तृत रूपरेखा तैयार की जाएगी।

राजेंद्र मालवीय को आम आदमी पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश की नई कार्यकारिणी में नर्मदापुरम जिले के युवा और सक्रिय नेता राजेंद्र मालवीय को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। राजेंद्र मालवीय लंबे समय से पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इससे पहले वे युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तथा दो बार मुख्य जिलाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने नगर परिषद, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जिले में शराबबंदी, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने तथा आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। पार्टी के अनुसार उनकी सक्रियता और संगठनात्मक कार्यों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर और सह प्रभारी विश्वेंद्र सिंह की अनुशंसा पर उन्हें प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है तथा सभी ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है।

रेंजर और डिप्टी की शह पर बीटगार्ड के हौसले बुलंद

सांवली गढ़रेंज में

चल रहा खुला भ्रष्टाचार

अनोखा तीर, बैतूल।

मध्यप्रदेश के बैतूल में माफियाओं के राज बेखौफ चल रहा है यहां बेशकीमती सागौन को माफिया खुलेआम काटकर ले जा रहे मामले में जिम्मेदारो की मिलीभगत पर भी स्थिति संदेहास्पद बन रही है। अधिकारियों की जांच और खानापूर्ति से कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे है, ताजा मामला पश्चिम वन मंडल की सांवलीगढ़ रेंज से सामने आया है जहां जिम्मेदारों को पर्यावरण की स्थिरता बनाए रखने के लिए जंगल बचाने की जिम्मेदारी दी गई है, वही जिम्मेदार रक्षक भक्षक बनकर जंगलों के तेजी से सफाया करवा रहे है।

अधिकारी जांच के नाम पर मामले को दबाने में लगे हुए है आपको बता दें कि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सांवलीगढ़ रेंज की सिताडोंगरी सर्किल में आने वाली धौल बीट में बीटगार्ड ओमपाल का खुला जंगल राज चल रहा है। एक तो वह सालों से वहीं जमा हुआ है और गांव वालों पर हमेशा दबाव बनाकर रखता है इसी के चलते वह माफियाओं के साथ मिलकर जंगल से बेशकीमती सागौन को खुलेआम कटवा रहा है। वहीं गांव वालों को झूठे आरोप में फंसाने की धमकी देकर भी जमकर उगाही कर रहा है जिसकी जानकारी रेंजर को भी है पर कार्यवाही के नाम पर खानापूर्ति के सिवा कोई काम नही हो रहा है। वहीं अभी इसी जंगल से सैकड़ों सागौन के पेड़ों की अवैध कटाई का मामला भी सामने आया है। जहां हमारे द्वारा मौके पर पहुंचकर अवैध कटाई को अपने कैमरे में कैद किया गया है। जिसके बाद पश्चिम वनमंडलाधिकारी एलके वासनिक से इस मामले में चर्चा की गई तो उनके द्वारा जांच के बाद संबंधितो पर कार्यवाही की बात कही है गई है। यहां एक बात यह भी बता दे कि जिस जांच की बात अधिकारी कर रहे है उसकी जानकारी वर्तमान में एसडीओ चिचोली का पद संभाल रहे आईएफएस ध्रुव श्रीवास्तव को इस मामले में पूरी जानकारी हमारे द्वारा लगभग 10 दिन पूर्व दी गई थी। मौके पर वो खुद जाकर देखकर भी आए है, पर कार्यवाही के लिए 1 सप्ताह का समय लगेगा यह बात अब गले नही उत्तर रही है। खैर अब इस पूरे मामले में देखने वाली बात यह होगी कि वनमंडलाधिकारी कब इस मामले में निष्पक्ष जांच करवा पाएंगे या फिर इसी तरह जंगल के रक्षक ही भक्षक बनकर जंगलों को बेचते रहेंगे। जिले की जनता इसी तरह जंगलों के तेजी से सफाया होने से ग्लोबल वार्मिंग से जूझते रहेंगे। बाईट- एलके वासनिक पश्चिम वनमंडलाधिकारी इस मामले में चर्चा की गई तो उनके द्वारा जांच के बाद संबंधितो पर कार्यवाही की बात कही गई है।

- **जंगल के रक्षक ही बने भक्षक माफियाओं के साथ मिलकर कटवा दिए सैकड़ों बेशकीमती सागौन**

युवक से सीएनजी पंप पर मारपीट, केस दर्ज

आधा दर्जन से अधिक लोगों ने पीटा

अनोखा तीर, देवास।

मधुमिलन चौराहे के पास स्थित एक सीएनजी पंप पर काम करने वाले युवक के साथ आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मारपीट कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह पूरी घटना 6 मार्च की रात करीब 7.30 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी मनीष मालवीय ने बताया कि वह मधुमिलन चौराहे के पास स्थित सीएनजी पंप पर काम करता है। उसी दौरान आरोपी सलीम अपनी टाटा मैजिक लेकर पंप पर गैस भरवाने आया था। सलीम ने अपनी गाड़ी में करीब 300 रुपए की गैस भरवाई थी। मनीष के अनुसार गैस भरवाने के बाद सलीम ने उससे कहा कि यह उसका इलाका है और अगर पंप पर काम करना है तो उसे पैसे देने होंगे। सलीम ने पंप पर काम करने के बदले उससे पैसों की मांग की। जब मनीष ने पैसे देने से मना कर दिया तो सलीम ने उससे विवाद शुरू कर दिया और उसे धमकाने लगा। मनीष का आरोप है कि पैसे देने से इनकार करने पर सलीम ने उसे जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद सलीम वहां से चला गया, लेकिन थोड़ी देर बाद वह अपने कुछ अन्य साथियों के साथ वापस आया। सलीम अपने साथियों के साथ पंप पर पहुंचा और सभी ने मिलकर मनीष के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान मनीष को चोटें आई। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी सलीम निवासी रसूलपुर और उसके अन्य साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। रमेश कौशल के अनुसार विवाद के दौरान आरोपी ने रसूलपुर क्षेत्र से अपने कई साथियों को बुला लिया। सभी लोग हथियार लेकर मौके पर पहुंचे और मनीष के साथ जमकर मारपीट की। बताया जा रहा है कि जब फरियादी मनीष थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचा तो वहां भी उसे रोका गया। वहीं थाने से करीब 100 मीटर दूरी पर आरोपी और उसके साथियों ने काफी देर तक हंगामा किया। आरोप है कि सभी आरोपी रसूलपुर क्षेत्र के निवासी हैं और उनमें से अधिकांश मैजिक चालक हैं। बजरंग दल की ओर से प्रशासन से मांग की गई है कि वायरल वीडियो और फुटेज के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

फ्लैग मार्च कर एरिया किया डोमिनेशन

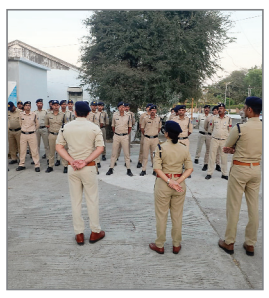

अनोखा तीर, कन्नौद। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए एडिशनल एसपी ग्रामीण कन्नौद श्रीमती सौम्या जैन एसडीओपी कन्नौद आदित्य तिवारी तहसीलदार कन्नौद अंजली गुप्ता की उपस्थिति में थाना कन्नौद एवं पुलिस लाइन से प्राप्त बल के साथ क्षेत्र के संवेदनशील स्थान पर फ्लैग मार्च कर एरिया डोमिनेशन किया गया।

एक बाईक की तलाश में दो सिपाहियों ने खंगाल दिए ढाई सौ सीसीटीव्ही कैमरे

अनोखा तीर, कन्नौद। पुलिस अधीक्षक देवास पुनीत गहलोत द्वारा समस्त थाना प्रभारी तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सौम्या जैन तथा अनुविगगीय अधिकारी पुलिस कन्नौद आदित्य तिवारी को कोई भी प्रॉपर्टी रिलेटेड डिफेंस में गंभीरता से जांच कर बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया है। थाना कन्नौद पर फरियादी ने शिकायत की उसकी मोटरसाइकिल सीडी डीलक्स पीछे खड़ी थी। दिनांक 13.02.2026 की रात्रि में कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर पुलिस थाना कन्नौद पर प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई ऑपरेशन त्रिनेत्र में लगे कस्बे के कैमरा की सहायता ली गई ऑपरेशन त्रिनेत्र में लगे कस्बे के कैमरो की जांच हेतु आरक्षक राजेंद्रसिंह और बॉबी वर्मा को लगायां गया था उनके द्वारा ट्रैकिंग करते हुए खातेगांव संदलपुर नसरुल्लागंज सीहोर आष्टा तक 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरा को खंगालते हुए आरोपी के गांव तक पहुंच गए और आरोपी की पहचान हेतु एक दिन गांव में ढाबे वाला बनकर जानकारी लेकर पहचान की तथा आरोपी राहुल ऊर्फ अनुप राहुल उर्फ़ अनूप उर्फ़ टामी पिता आनंदीलाल निवासी सिद्धिगंज जिला सीहोर को विधिवत गिरफ्तार कर उस चोरी की मोटरसाइकिल की कीमत 80 हजार बरामद की गई आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है आरोपी का पूर्व में भी चोरी मारपीट अवैध हथियार के आपराधिक रिकॉर्ड है उपरोक्त कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक डीपी माछीवाल, आरक्षक बॉबी वर्मा, आरक्षक देवेंद्र, राजेन्द्रसिंह का योगदान रहा।

सोशल वर्कर रश्मि पांडेकर को इंटरनेशनल विमेंस विजनरी अवॉर्ड से सम्मानित

अनोखा तीर, देवास। समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली देवास निवासी सोशल वर्कर रश्मि पांडेकर को दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल विमेंस विजनरी अवॉर्ड 2026 समारोह में महिला दिवस के एक दिन पूर्व सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सामाजिक कार्यों एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित समारोह 7 मार्च को दिल्ली स्थित व्हायएमसीए में आयोजित हुआ, जिसमें देश-विदेश की प्रेरणादायक महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली महिलाओं की उपलब्धियों को सराहा गया और समाज में उनके योगदान को रेखांकित किया गया। समारोह के दौरान आयोजकों ने कहा कि इस अवॉर्ड का उद्देश्य उन महिलाओं को प्रोत्साहित करना है, जो अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं और अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। रश्मि पांडेकर ने इस सम्मान के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में और अधिक कार्य करने की प्रेरणा देगा।

मजदूरों ने समान मजदूरी की उठाई मांग

महिला दिवस पर महिलाओं का किया सम्मान

अनोखा तीर, देवास। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रगतिशील लेखक संघ, भारतीय महिला संघ (इंडियन वीमेन फेडरेशन) देवास इकाई एवं भारतीय कंयुनिस्ट पार्टी देवास द्वारा संयुक्त रूप से मेहनतकश महिलाओं का सम्मान किया गया। कॉमरेड कैलाश सिंह राजपूत ने बताया कि कार्यक्रम के तहत मजदूर चौराहा, रेलवे ब्रिज के पास पहुंचकर भवन निर्माण, खेतिहर एवं श्रमिक महिलाओं को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया तथा उन्हें नाश्ता भी कराया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मेहनतकश महिलाएं समाज की असली निर्माता हैं और उनके श्रम का सम्मान होना चाहिए। उपस्थित महिलाओं ने एक स्वर में पुरुषों के बराबर मजदूरी देने की मांग उठाई और न्यूनतम मजदूरी 1000 रुपए प्रतिदिन निर्धारित करने की बात कही।

इसके साथ ही मजदूरों के बच्चों के लिए कॉलेज तक निःशुल्क शिक्षा, बंद हो चुके सरकारी स्कूलों को पुनः शुरू करने, सभी मजदूरों का पंजीयन कर निःशुल्क बीमा व ईएसआई सुविधा, प्रसूति के समय आर्थिक सहायता तथा सरकारी अस्पतालों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। मजदूरों के लिए पक्के मकान बनाने और जमीनों के बढ़ते दामों पर नियंत्रण की भी मांग रखी गई। कार्यक्रम में कॉमरेड प्रतिभा कुमार, कॉमरेड मेहमूद इंदौरी, कॉमरेड मलिक अंसारी, कॉमरेड ओमप्रकाश वागड़े, कॉमरेड राजेंद्र राठौर सहित बड़ी संख्या में मजदूर साथी उपस्थित रहे।

पंधाना में भूकंप पूर्व तैयारी पर प्रशिक्षण आयोजित

अनोखा तीर, खंडवा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन विभाग इकाई खंडवा के तत्वावधान में भूकंप संभावित क्षेत्र पंधाना में जनपद पंचायत परिसर में भूकंप पूर्व तैयारी विषय पर कार्यशाला और ध्वस्त संरचना खोज व बचाव विषय पर अभ्यास आयोजन किया गया।

कार्यशाला के प्रारंभ में डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड आशीष कुमार कुशवाहा ने भूकंप की स्थिति, पूर्व तैयारी और भूकंप आने पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से दी।

प्रशिक्षण के दूसरे सत्र में रविन्द्र महिवाल और मनीष यादव, प्लाटून कमांडर ने विषय की महत्वपूर्ण बातों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में उपस्थित रोहित लाड़, चिकित्सा अधिकारी ने सीपीआर तकनीक के माध्यम से जीवन रक्षा के उपाय बताए।

इस दौरान एसडीईआरएफ के जवानों ने भी सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण दिया। तीसरे सत्र में पॉलीटेक्निक कॉलेज खंडवा के सिविल विभाग के प्रोफेसर कमल बख्तियापुरी ने भूकंपरोधी इमारत निर्माण तकनीक की जानकारी दी।

न्यूजीलैंड से फाइनल मुकाबले से पहले महाकाल का भव्य श्रृंगार

- **हमलापुर में भांग, काजू-बादाम से सजा बाबा महाकाल का दरबार**

अनोखा तीर, बैतूल। क्रिकेट का जुनून जब आस्था से जुड़ जाता है तो माहौल और भी खास बन जाता है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आज रविवार होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के लिए बैतूल के क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों ने बाबा महाकाल जी महाराज के दरबार में विशेष प्रार्थना की। भारत और न्यूजीलैंड के फाइनल मुकाबले से पहले बैतूल के हमलापुर स्थित न्यायाधीश कॉलोनी में बाबा महाकाल जी महाराज का विशेष श्रृंगार भांग, काजू और बादाम से किया गया। पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ भगवान महाकाल को सजाया गया और प्रार्थना की गई कि भारतीय टीम फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करे। बाबा महाकाल जी महाराज का आकर्षक और भव्य श्रृंगार प्रसिद्ध मूर्तिकार सुनील प्रजापति द्वारा किया गया। उन्होंने बड़ी श्रद्धा और कलात्मकता के साथ बाबा महाकाल का श्रृंगार किया, जिसे देखने के लिए स्थानीय लोग भी पहुंचे और सभी ने मिलकर भारतीय टीम की जीत के लिए प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री की महत्वकांक्षी योजना के सफल कियान्वयन हेतु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

अनोखा तीर, बैतूल। पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम बैतूल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वकांक्षी योजना के सफल कियान्वयन हेतु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराया गया जिसमे अतरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, थाना प्राभारी एवं फील्ड ऑफिसर सम्मिलित हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल की उपस्थिति में डिस्ट्रिक्ट रोल आउट मैनेजर दृष्टकअभिषेक वगैड़े दवरा दी गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर (दुर्घटना के पहले एक घंटे) के भीतर पीड़ितों को बिना किसी वित्तीय बाधा के तत्काल और सर्वोत्तम चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करना है।

योजना की मुख्य विशेषताएं- 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज दुर्घटना के प्रत्येक पात्र पीड़ित को दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों की अवधि तक प्रति व्यक्ति 1.5 लाख तक का मुफ्त (कैशलेस) उपचार प्रदान किया जाएगा। गोल्डन ऑवर पर केंद्रित अध्ययनों के अनुसार, समय पर इलाज मिलने से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। यह योजना इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बनाई गई है। 112 हेल्पलाइन का एकीकरण आपातकालीन स्थिति में कोई भी व्यक्ति 112 नंबर डायल करके निकटतम नामित अस्पताल की

जानकारी प्राप्त कर सकता है और एंबुलेंस सहायता का अनुरोध कर सकता है। डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया यह योजना पूरी तरह से डिजिटल होगी, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट और ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। भुगतान की गारंटी अस्पतालों को उनके द्वारा किए गए इलाज के स्वीकृत दावों का भुगतान 10 दिनों के भीतर किया जाएगा, जिससे अस्पतालों को निर्बाध उपचार प्रदान करने का प्रोत्साहन मिलेगा। हिट एंड रन मामलों में सहायता जिन मामलों में वाहन का बीमा नहीं होगा या हिट एंड रन के मामले होंगे, वहां भारत सरकार अपने बजटीय आवंटन के माध्यम से उपचार का खर्च वहन करेगी।

शिकायत निवारण तंत्र

योजना के कार्यान्वयन में किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला स्तर पर जिला सड़क सुरक्षा समिति जवाबदेह होगी। जिला कलेक्टर या मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक नामित शिकायत निवारण अधिकारी पीड़ितों की शिकायतों का निपटारा करेगा। यह निर्णय नागरिक-प्रथम और सुशासन के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है। सरकार का मानना है कि वित्तीय संसाधनों के अभाव में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं जानी चाहिए। पीएम राहत योजना भारत की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

सभी नागरिकों से अपील

यातायात नियमों का पालन करें, सड़क दुर्घटना के घायलों को हॉस्पिटल या ट्रामा सेंटर पहुंचाए और राहवीर योजना के अंतर्गत 25 हजार की प्रोत्साहन राशि प्राप्त करें। दो पहिया वाहन चलाते समय चालक एवं पिलियन राइडर पीछे बैठे व्यक्ति हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। कार में यात्रा करते समय चालक एवं पैसेंजर सीटबेल्ट का उपयोग करें। नाबालिग से वाहन ना चलवाय ना ही चलाने दे।

नवमी एवं ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षाएं शुरु

अनोखा तीर, मसनगांव। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं की परीक्षाएं 28 फरवरी से शुरू कर दी गई हैं। ग्राम की उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में नवमी कक्षा का पहला पेपर गुरुवार को संस्कृत विषय का हुआ। परीक्षा के पहले दिन संस्कृत विषय में 23 विद्यार्थियों में से 3 अनुपस्थित रहे, जबकि 20 विद्यार्थियों ने ही प्रश्न पत्र हल किया। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा नवमी कक्षा में व्यवसायिक शिक्षा शुरू करने के बाद संस्कृत विषय को ऐच्छिक विषय के रूप में विद्यार्थियों की शिक्षा के अनुसार रखा गया है। विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुसार आईटी विषय या संस्कृत, दोनों में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। इसी कारण 80 विद्यार्थियों में से मात्र 20 विद्यार्थियों ने संस्कृत का पेपर दिया। वहीं ग्यारहवीं कक्षा में तीन विषयों की परीक्षा हो चुकी है, जिसमें शाला के 45 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। केंद्राध्यक्ष रिंकी बडोदिया, सहायक केंद्राध्यक्ष सुनीता झिंझोरे तथा शकुर खान के द्वारा दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाएं सम्पन्न कराई जा रही हैं। ग्राम की स्कूल में कई ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्हें नवमी कक्षा की परीक्षा शुरू होने की जानकारी शिक्षकों द्वारा फोन लगाकर दी जा रही है।

अनोखा तीर, बैतूल।

नगर भ्रमण और भव्य शोभायात्रा की रूपरेखा तैयार

श्रीराम जन्मोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रीराम जन्मोत्सव को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। राष्ट्रीय हिंदू सेना ने जिला स्तरीय बैठक आयोजित कर 26 मार्च को होने वाले आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तय की। बैठक में प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक के पदाधिकारियों की मौजूदगी में भव्य शोभायात्रा, नगर भ्रमण, झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सेवा कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही संगठन विस्तार करते हुए दर्जनों युवाओं को जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। राष्ट्रीय हिंदू सेना मध्य भारत प्रांत मीडिया प्रमुख सूरज खड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि बैतूल जिला कार्यालय पर आयोजित बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, प्रांत सह संगठन मंत्री बंटी सरियाम, विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे तथा जिला अध्यक्ष अनुज राठौर मुख्य रूप से मौजूद रहे।

26 मार्च को होगा भव्य आयोजन

मध्य भारत प्रांत सह सचिव बंटी सरियाम ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सनातन धर्म के प्रमुख पर्व श्रीराम जन्मोत्सव को बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाने का संकल्प लिया गया है। बैठक में तय किया गया कि 26 मार्च को सदर गेंदा चौक पर भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा और प्रभु श्रीराम की प्रतिमा के साथ नगर भ्रमण कराया जाएगा। इस दौरान नगर को भगवा ध्वजों और सजावट से भगवामय बनाने की तैयारी भी की जाएगी। तहसील अध्यक्ष संतोष यादव ने बताया कि इस वर्ष शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण प्रभु श्रीराम जी की प्रतिमा की झांकी, श्री हनुमान जी की प्रतिमा की झांकी, श्रीराम दरबार की झांकी, बजरंग व्यायाम शाला का अखाड़ा प्रदर्शन, आदिवासी ढोल और नृत्य, बाहुबली हनुमान जी की प्रस्तुति, वानर सेना की प्रस्तुति, अद्भुत आतिशबाज़ी और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेंगे। शोभायात्रा में शामिल होने वाले हिंदू समाज के लोगों के लिए भंडारे की व्यवस्था की जाएगी और भगवा वस्त्र देकर सम्मान भी किया जाएगा।

संगठन विस्तार के साथ नई नियुक्तियां

तहसील संयोजक संदीप मालवीय ने बताया कि जिला अध्यक्ष अनुज राठौर की सहमति से संगठन में कई नई नियुक्तियां की गई हैं। राहुल पाटिदार को जिला महासचिव, रोहित मालवीय को जिला युवा मंत्री, अनिकेत अन्नी यादव को युवा जिला उपाध्यक्ष, अंश अग्रवाल को जिला युवा मीडिया प्रमुख, राज यादव को नगर संयोजक, आकाश उइके को प्रखंड उपाध्यक्ष बैतूल ग्रामीण, निताशु राजपूत को ग्राम अध्यक्ष चिखलार, रोहित प्रजापति को दुर्गा वार्ड अध्यक्ष और विक्की मालवीय को वार्ड संयोजक नियुक्त किया गया है। तहसील युवा उपाध्यक्ष राहुल मालवीय ने बताया कि बैठक के दौरान संगठन द्वारा पिछले एक वर्ष में किए गए सेवा और सामाजिक कार्यों की समीक्षा भी की गई। इसमें गौ रक्षा, रक्तदान, लव जिहाद पर अंकुश लगाने के प्रयास, धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने की गतिविधिया, सेवा भाव से जन्मदिन मनाना, विभिन्न क्षेत्रों में संगठन का विस्तार करना और हिंदू धर्म से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी जैसे कार्यों पर चर्चा की गई। बैठक में जिला महामंत्री अमित यादव, जिला युवा उपाध्यक्ष प्रिंस उइके, जिला युवा संयोजक नवीन पटेल, जिला समन्वयक प्रमुख अजय खवादे, भैंसदेही तहसील अध्यक्ष हिमांशु राठौर, भैंसदेही तहसील संयोजक गितेश गीद, आमला तहसील युवा संयोजक नवीन मन्नासे, तहसील गौ रक्षा प्रमुख आशीष यादव, तहसील सह गौरक्षा प्रमुख गौरीशंकर गजाम, तहसील सह सचिव नवनीत जावलकर, नगर अध्यक्ष शनि साहू, नगर युवा सह संयोजक प्रवीण साहू, प्रखंड अध्यक्ष सोमेश सोनी, प्रखंड अध्यक्ष राधेश्याम यादव, प्रखंड महामंत्री अरुण देशमुख, दीपू उइके नगर युवा सह संयोजक, लोकेश धुर्वे वार्ड अध्यक्ष, अतुल आहाके नगर गौ रक्षा प्रमुख, करण उइके नगर युवा मंत्री, कुनाल उइके, ललित धुर्वे, विक्रम धुर्वे, मौसम मालवीय, चांद अबुरे, दीपक पारधे, राहुल मालवीय, राजाराम उइके और सुजीत उइके सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

*स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।***

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण एक नए मिशन में बदल गया है, जहां प्रदेश की हर महिला प्रगति के पथ पर एक स्वावलंबी भागीदार है

मध्यप्रदेश के प्रगतिशील परिवर्तन की स्वावलंबी भागीदार नारी शक्ति

सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण

- 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को हर माह ₹1500 की सहायता से सुनिश्चित हो रहा **आर्थिक स्वावलंबन**
- महिलाओं के नाम संपत्ति पर रजिस्ट्री शुल्क में 2% विशेष रियायत से मिला भूमि और संपत्ति पर अधिकार
- 62 लाख **महिलाएं स्व-सहायता** समूहों से जुड़कर हुईं आत्मनिर्भर
- **'लखपति दीदी योजना'** से 12 लाख+ महिलाओं की वार्षिक आय हुई ₹1 लाख से अधिक
- 89 लाख महिलाओं को **उज्ज्वला** गैस कनेक्शन और लाड़ली बहनों को **₹450 में सस्ते गैस सिलेंडर से मिली** रसोई में राहत
- 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान से कृषि में बढ़ रही भागीदारी

प्रशासनिक-राजनीतिक भागीदारी

- शासकीय नौकरियों में **35% तक आरक्षण** से बढ़ी प्रशासनिक एवं निर्णयकारी पदों पर महिलाओं की मौजूदगी
- पंचायत एवं नगरीय निकायों में **50% तक आरक्षण से मिली लोकतंत्र** में ऐतिहासिक भागीदारी

सुरक्षा ने बढ़ाया आत्मविश्वास

- **'वन स्टॉप सेंटर'** से हिंसा पीड़िता को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य और कानूनी परामर्श, हर जिले में सुरक्षित एवं त्वरित सहायता
- थानों में विशेष **महिला हेल्प डेस्क**
- संकट की स्थिति में डायल **181/ 1098** या **112** पर तुरंत सहायता
- छात्राओं एवं कार्यरत महिलाओं के लिए **सुरक्षित और किफायती छात्रावास**

शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों तक पहुंच

- जन्म से उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहायता दे रही **लाड़ली लक्ष्मी योजना**
- जन्मदर सुधार, शिक्षा प्रोत्साहन और बालिकाओं की सुरक्षा पर केंद्रित अभियान **बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ**
- **एमएसएमई** इकाइयों में महिलाओं को प्रोत्साहन, 47% से अधिक एमएसएमई महिलाओं के नेतृत्व में संचालित
  - कौशल, परामर्श और आर्थिक सशक्तिकरण हेतु **हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वुमन** एकीकृत केंद्र संचालित
  - कौशल और रोज़गार सहायता के लिए **'हम होंगे कामयाब' कार्यक्रम**

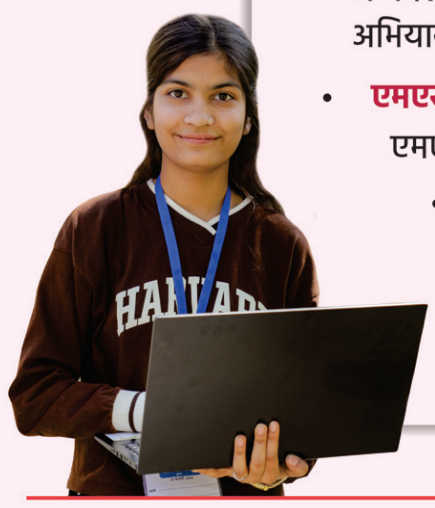

स्वास्थ्य की बेहतरी

- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** से गर्भवती एवं धात्री माताओं को पोषण सहायता
- **जननी सुरक्षा योजना** से ग्रामीण और शहरी गरीब परिवारों की गर्भवती महिलाओं को सीधी सहायता
- गर्भवती एवं धात्री माताओं के लिए पोषण तथा बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा हेतु **आंगनवाड़ी सेवाएं**
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जागरूकता हेतु **सुमन सखी चैटबॉट** की शुरुआत

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D11217/25

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026